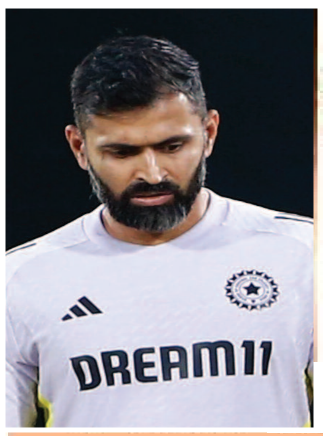

सब का सपना

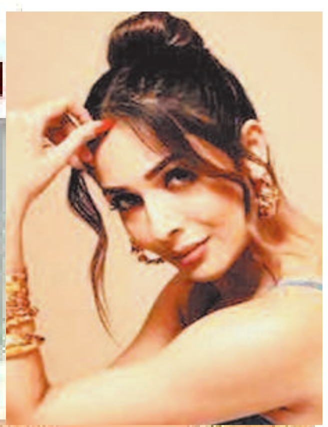

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

आईपीएल 2026 से पहले केकेआर का बड़ा दांव! अभिषेक नायर बने मुख्य कोच, सौंपी कमान-पेज: 7

टीचर बनना चाहती थी मलायका -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 202 | शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

'पीएम मोदी से ज्यादा दम उस महिला में था', राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर साधा निशाना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को नालंदा में चुनावी जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने पचास...

बिहार एजेंसी: बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को नालंदा में चुनावी जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने पचास बार पीएम मोदी का अपमान किया, लेकिन प्रधानमंत्री में इतना दम नहीं कि कह दें- ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि ट्रंप बार-बार दावा करते रहे कि उन्होंने फोन करके ऑपरेशन सिंदूर रुकवाया और मोदी ने सिर झुका लिया। कांग्रेस नेता बोले, मोदी डर के मारे अमेरिका नहीं गए, इधर बैठकर वोट चोरी कर रहे हैं। सभा में राहुल गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का जिक्र करते हुए कहा, वो महिला थीं, लेकिन इस मर्द से ज्यादा दम उस महिला में था। मोदी डरपोक हैं। अगर उनमें दम है, तो बिहार की किसी सभा में कहें कि

ट्रंप झूठ बोल रहा है। उन्होंने कहा कि कभी नालंदा यूनिवर्सिटी ज्ञान का वैश्विक केंद्र थी, जहाँ जापान, कोरिया और इंग्लैंड से विद्यार्थी आते थे, लेकिन आज बिहार का नाम केवल पेपर लीक के लिए जाना जाता है। दुबई बना सकते हैं तो बिहार क्यों नहीं? बिहार के विकास पर बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा, जहां भी जाता हूं, बिहार के लोग दिखते हैं। उन्होंने दुबई और बेंगलुरु जैसे शहर बनाए, लेकिन बिहार में वैसा क्यों नहीं कर पा रहे? बिहार की जनता में कोई कमी नहीं- कमी है सरकार में। उन्होंने कहा कि युवाओं के सपने पेपर लीक की वजह से टूट रहे हैं- बच्चे मेहनत करते हैं, मां-बाप मजदूरी कर फीस भरते हैं, लेकिन परीक्षा से पहले जिनकी पहुंच है, उन्हें पेपर मिल जाता है और ईमानदार युवा देखते रह जाते हैं। नीतीश कुमार का रिमोट मोदी के हाथ में राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी बोले, नीतीश जी कहते हैं कि उन्होंने बिहार बदल दिया, लेकिन सच्चाई यह है कि अस्पतालों में लोग इलाज कराने नहीं, मरने जाते हैं। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार के पास रिमोट नहीं है। मोदी जी जो बटन दबाते हैं, वही चैनल नीतीश जी चलाते हैं। सरकार दिल्ली और नागपुर से चलती है। राहुल ने पीएम मोदी की छठ पूजा के दौरान यमुना में स्नान की तस्वीरों पर भी तंज कसा- दिल्ली में लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता, लेकिन मोदी जी के नहाने के लिए साफ पानी का तालाब बनाया गया। वोट चोरी करके संविधान खत्म करने की साजिश राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र की सरकार वोट चोरी करके संविधान खत्म करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने दावा किया कि अगर वोट चोरी नहीं होती, तो आज इंडिया गठबंधन की सरकार होती। सभा के अंत में उन्होंने कहा, बिहार को हर जाति, हर धर्म की सरकार चाहिए। नफरत से बिहार का नुकसान होता है, फायदा केवल मोदी और शाह जैसे लोगों को। इसलिए नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है।

अहमदाबाद में कार चला रहे नाबालिग ने 3 साल की बच्ची पर चढ़ा दी कार, वायरल हुआ हादसे का वीडियो

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद के नोबलनगर इलाके में बुधवार को एक किशोर की ओर से कथित तौर पर चलाई जा रही कार ने तीन साल की बच्ची को करीब कुचल दिया था। यह चौंकाने वाली घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसका फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। गौरतलब है कि कार पर नंबर प्लेट भी नहीं थी। पुलिस ने घटना की सूचना पाकर मामला दर्ज किया है। घटना के समय बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी। कार चालक नाबालिग ने बच्ची को देखा नहीं और गाड़ी उसके ऊपर चढ़ा दी। लेकिन स्थानीय लोगों के शोर मचाने पर कार रुक गई। लोग इकट्ठा हो गए और सीसीटीवी फुटेज में एक महिला नाबालिग कार ड्राइवर को थप्पड़ मारती हुई भी दिखाई दे रही है। हालांकि, बच्ची बच गई। अहमदाबाद पुलिस ने वीडियो पर रिएक्शन देकर पुष्टि की कि उन्होंने ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर रहे हैं।

चलती हुई एक निजी बस में अचानक लगी आग, ड्राइवर और कंडक्टर बाहर निकले

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम शहर के सेक्टर-59 क्षेत्र में चलती हुई एक निजी बस में अचानक आग लगी। गनीमत रही कि बस में केवल ड्राइवर और कंडक्टर मौजूद थे, जिन्होंने समय रहते बाहर निकलकर जान बचा ली। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, हालांकि आग के कारण बस को नुकसान पहुंचा है। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए आग पर काबू पाया। सब फायर अफसर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट लग रहा है। उन्होंने बताया कि जैसे ही सूचना मिली, फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर रवाना कर दी गई थी और कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया गया। बस एक प्राइवेट कंपनी की ओर से कर्मचारियों को ड्राप करने के लिए लगाई गई थी। उस समय बस में यात्री मौजूद नहीं थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस में अचानक धुआं उठने लगा था। ड्राइवर ने तुरंत बस को सड़क किनारे रोका और कंडक्टर के साथ बाहर निकल आया। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने फायर विभाग को सूचित किया और आग बुझाने के प्रयास भी किए, लेकिन आग इतनी तेज थी कि बस को पूरी तरह नुकसान पहुंचा। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

तेलंगाना : एसीबी ने 1.9 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में अभियंता को हिरासत में लिया

(एजेंसी)। तेलंगाना के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बृहस्पतिवार को बताया कि उसने यदाद्री-भुवनगिरी जिले में स्थित श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर के कार्यपालक अभियंता को 1.9 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा है। एसीबी की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि आरोपी को बुधवार को मेडचल मलकाजगिरी जिले से उस समय पकड़ा गया जब उसने एक शिकायतकर्ता से रिश्वत की राशि स्वीकार की। विज्ञप्ति के अनुसार आरोपी अधिकारी ने मंदिर में खाद्य मशीनें लगाने से संबंधित 11.5 लाख रुपये (जीएसटी रहित) के बिल को पास करने के लिए शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग की थी। एसीबी ने बताया कि आरोपी अधिकारी के पास से 1.9 लाख रुपये बरामद किए गए हैं। उसने बताया कि मामले की जांच जारी है।

हिमाचल के चंबा में कार गहरी खाई में गिरी, तीन की मौत, दो घायल

चंबा (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के चुराह क्षेत्र में एक कार 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा बुधवार देर शाम देवीकोटी-टेपा मार्ग पर हुआ, जब सभी लोग एक विवाह समारोह से लौट रहे थे। इस घटना में तीन लोगों की मौत हुई है, जिनकी पहचान राजिंदर कुमार, पम्मी कुमार और सचिन के रूप में हुई है, जबकि अमर सिंह और धर्म सिंह को गंभीर हालत में चंबा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा। मामला दर्ज कर लिया गया है और दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में संकीर्ण और फिसलन भरी सड़कों के कारण इस तरह के हादसे अक्सर होते हैं।

गुस्साए डॉक्टर ने किया खुलासा कहा- पुलिस 20 गोलियां मारती है कहती है रिपोर्ट में 1 लिखो

शामली (एजेंसी)। डॉक्टरों को रिपोर्ट कैसी बनानी है ये फिल्मों में तय होता दिखाई देता था। लेकिन अब उत्तर प्रदेश के शामली में भी कुछ इसी तरह का मामला होता दिखाई दे रहा है। यहां एक डॉक्टर ने खुलासा किया कि पुलिस किसी आरोपी पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाती है। उसके शरीर में 20 गोलियां ठसी दिखाई देती हैं लेकिन पुलिस कहती है कि रिपोर्ट में एक ही लिखो। शामली में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्साधीक्षक डॉ दीपक कुमार पुलिस पर फेक एनकाउंटर के आरोप जड़ दिए। दरअसल, हाल ही में डॉ दीपक कुमार के कैंप कार्यालय से साढ़े पांच लाख रुपये की चोरी हुई थी। खुलासा न होने पर स्वास्थ्यकर्मियों ने बीते बुधवार को पुलिस के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया। शहर कोतवाली में हंगामे के दौरान डॉ दीपक इतने आक्रोशित हो गए कि उन्होंने पुलिस मुठभेड़ों पर गंभीर आरोप लगा दिए। कैमरे में कैद हुए वायरल बयान में डॉ कुमार ने दावा किया, पुलिस खुद मुलजिम को 20 गोली मारकर लाती है, लेकिन सीओ और एसपी खड़े होकर जबरदस्ती रिकॉर्ड में सिर्फ एक गोली लिखवाते हैं। उन्होंने पुलिस को चुनौती देते हुए कहा, हम खोलेंगे इनके चिट्ठे, मानवाधिकार आयोग से जांच कराएं। डॉ के इस बयान से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। हालांकि, बयान वायरल होने के बाद डॉक्टर ने इसे फेक बताया। वीडियो वायरल हुआ तो सवाल उठने लगे।

भूमि अधिग्रहण के खिलाफ होगा बड़ा आन्दोलन: राकेश टिकैत

अलीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने भूमि अधिग्रहण के खिलाफ बड़े आंदोलन का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही इसे लेकर टप्पल इलाके में महापंचायत होगी। इलाके के किसानों ने कई समस्याएं बताई हैं। उन्हें जमीन का उचित और बाजार दर के अनुसार ही मुआवजा मिलना चाहिए। वहीं किसान नेता ने बिहार चुनाव पर कहा कि वहां सरकार विपक्ष को तोड़ने में जुटी है, ऐसे में जनता को सचेत रहना चाहिए।

गुरुवार को टप्पल क्षेत्र के नूरपुर रोड स्थित विजय तालान के आवास पर राकेश टिकैत ने किसानों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने यमुना प्राधिकरण के भूमि अधिग्रहण पर सवाल खड़े किए। मीडिया से कहा कि भूमि अधिग्रहण किसानों के हित में नहीं है। टप्पल, मथुरा और आगरा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर भूमि अधिग्रहण की तैयारी चल रही है। जेवर एयरपोर्ट के विस्तार की शुरुआत हो चुकी है। किसान नेता ने कहा कि किसानों से जमीन तीन से चार हजार रुपये प्रति गज की दर से ली जा रही है, जबकि वही जमीन अथॉरिटी

एक लाख रुपये प्रति गज तक में बेच रही है। अगर किसानों को ही मौका दिया जाए तो वे खुद अपनी जमीन डेवलप करके बेच सकते हैं। किसानों को ठगा जा रहा है, इसलिए इसके खिलाफ अब एक बड़ा आंदोलन जरूरी है।

भाकियू नेता राकेश टिकैत ने कहा कि यमुना प्राधिकरण को लेकर एक बड़ी महापंचायत आयोजित की जाएगी। यह पंचायत वहीं की जाएगी, जहां पर अथॉरिटी द्वारा किसानों की जमीनों का जबरन अधिग्रहण किया जा रहा है। हम प्राधिकरण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन किसानों के साथ न्याय होना चाहिए। जमीन का नक्शा बनाकर किसानों को बाजार भाव पर मुआवजा दिया जाए। कॉलोनाइजरों को जो कीमतें दी जा रहीं हैं, वही किसानों को भी मिले। भारतीय किसान यूनियन किसानों के साथ खड़ी है।

बांग्लादेश में लोकतंत्र की बहाली के बाद मैं वहां लौटना चाहूंगी... पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना बीते साल ढाका में छात्र आंदोलन के दौरान अपने महल से हेलिकॉप्टर के जरिए नाटकीय रूप से भागने के बाद से नई दिल्ली में शरण लेकर रह रही हैं। अगस्त 2024 से शेख हसीना दिल्ली में रह रही हैं और अब तक सार्वजनिक जीवन से करीब दूर हैं। उनके देश में वर्तमान में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार काम कर रही है, जो कि फरवरी 2027 में आम चुनाव कराने का वादा कर चुकी है। वहीं, हसीना दिल्ली में शांत लेकिन एकाकी जीवन बिता रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, कुछ महीने पहले हसीना को दिल्ली के ऐतिहासिक लोधी गार्डन में टहलते देखा गया था। उनके साथ दो सादे कपड़ों में सुरक्षा कर्मी मौजूद थे। उन्होंने राहगीरों को सिर हिलाकर नमस्कार किया और

कुछ लोगों ने उन्हें पहचान लिया। सूत्रों के मुताबिक, शेख हसीना लुटियंस दिल्ली के हाई सिक्योरिटी में एक सुरक्षित आवास में रह रही हैं। यहां कई पूर्व और वर्तमान सांसद तथा वरिष्ठ अधिकारी रहते हैं। यह आवास भारत सरकार द्वारा दिया गया है। शेख हसीना ने हाल ही में दिए साक्षात्कार में कहा, 'मैं अपने देश लौटना चाहूंगी, लेकिन तभी जब वहां की सरकार वैध हो संविधान का सम्मान हो और कानून व्यवस्था बहाल हो।' उन्होंने कहा कि निर्वासन के बावजूद उनका उद्देश्य लोकतंत्र की बहाली है। उन्होंने ब्रिटिश मीडिया से कहा, 'केवल स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव ही देश को ठीक कर सकते हैं। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने घोषणा की है कि वह अगले वर्ष होने वाले राष्ट्रीय चुनावों का बहिष्कार करेगी। शेख हसीना ने कहा, 'लाखों लोग अवामी लीग का समर्थन करते हैं। उन्हें मतदान से बाहर रखना देश के लोकतंत्र के लिए घातक है। कोई भी राजनीतिक व्यवस्था तब तक काम नहीं कर सकती जब तक सभी को समान अधिकार न मिले।'

वहीं, अंतरिम सरकार के प्रमुख यूनुस ने कहा कि आगामी चुनावों को अंदरूनी और बाहरी ताकतें विफल करने की कोशिश करेंगी। उनके प्रेस सचिव शफीकुल आलम के अनुसार, 'कई शक्तिशाली ताकतें, न सिर्फ देश के भीतर बल्कि बाहर से भी चुनाव को बिगाड़ने का प्रयास करेंगी। अचानक हमलों की आशंका है।' यूनुस ने कहा कि चुनाव चुनौतीपूर्ण होने हैं, क्योंकि अंदर और बाहर से योजनाबद्ध तरीके से प्रचार और भ्रम फैलाने की कोशिश की जाएगी।

कर्नाटक में खड़गे के राजनीतिक गढ़ में संघ को मिली पथ संचलन निकालने की अनुमति

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के यादगीर जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के राजनीतिक गढ़ गुरमिटकल में पथ संचलन निकालने की सशर्त अनुमति दी है। आरएसएस का यह कार्यक्रम 31 अक्टूबर को आयोजित होगा। जिला उपायुक्त हर्षल बोयाल ने अनुमति जारी की, इसके तहत जुलूस नरेंद्र राठौड़ लेआउट से शुरू होकर सम्राट सर्कल, बसवेश्वर सर्कल, हनुमान मंदिर, कुम्बरवाडी, मिलन चौक और सीहीनीरू बावी मार्केट मेन रोड से होकर राम नगर में समाप्त होगा। यह अनुमति 23 अक्टूबर को आरएसएस के जिला प्रचार प्रमुख बसप्पा संजनोल द्वारा दिए गए आवेदन के बाद दी गई।

अदालतों में आपराधिक मामलों में आरोप तय होने में लंबी देरी पर चिंतित सुप्रीम कोर्ट

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता का पालन नहीं कर रही अदालतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को देशभर की अदालतों में आपराधिक मामलों में आरोप तय करने में हो रही लंबी देरी पर चिंता जाहिर की है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह देरी न्याय प्रणाली की दक्षता पर गंभीर सवाल पैदा करती है। कई बार आरोपी सालों तक जेल में बंद रहते हैं, लेकिन मुकदमा शुरू ही नहीं हो पाता। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि देशभर में कई इसतरह के केस हैं, जिसमें चार्जशीट दाखिल हुए 3-4 साल हो गए, लेकिन मुकदमा शुरू ही नहीं हुआ। शीर्ष अदालत ने साफ संकेत दिया कि वह अब इस समस्या पर पूरे देश के लिए समान दिशानिर्देश जारी करने पर विचार होना चाहिए है, ताकि इस प्रणालीगत देरी को समाप्त कर सके। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा को अमाइकस क्यूरी (न्यायालय मित्र) नियुक्त किया है। साथ ही भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अटॉर्नी जनरल से भी

विषय पर न्यायालय की सहायता करने को कहा गया है। अदालत ने बिहार राज्य के वकील को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया है।

पीठ एक इसतरह के मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोपी करीब दो साल से जेल में था। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि चार्जशीट 2023 में दाखिल की गई थी, लेकिन अभी तक आरोप तय नहीं हुए हैं। इस पर जस्टिस अरविंद कुमार ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, दीवानी मामलों में मुद्दे तय नहीं होते, आपराधिक मामलों में आरोप तय नहीं होते। आखिर कठिनाई क्या है? अगर यह स्थिति जारी रही, तब हम पूरे देश के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करने की कोशिश में है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 251(बी) में यह प्रावधान है कि सत्र न्यायालय के मामलों में पहली सुनवाई से 60 दिनों के भीतर आरोप तय किए जाने चाहिए, लेकिन अदालतों में इसका पालन नहीं हो रहा।

बाप रे बाप... अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर बना दिया फर्जी आधार कार्ड

-रोहित पवार ने उठाया मामला, पुलिस ने एफआईआर दर्ज की

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर कथित रूप से फर्जी आधार कार्ड बनाने और उसका उपयोग फर्जी मतदाता के रूप में पंजीकरण के लिए करने के मामले में अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने 16 अक्टूबर को दिखाया था कि किस तरह एक वेबसाइट पर फर्जी आधार कार्ड तैयार किए जा रहे थे और उनका उपयोग फर्जी मतदाता के रूप में पंजीकरण के लिए हो रहा था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सोशल मीडिया प्रकोष्ठ के सह-संयोजक धनंजय वागस्कर ने यह सामग्री एक यूट्यूब चैनल पर देखने के बाद पुलिस शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि यह धोखाधड़ी का कार्य भारत में एक स्वायत्त

संस्थान और उनकी पार्टी (भाजपा) के खिलाफ जनता में क्रोध और घृणा भड़काकर सामाजिक सुरक्षा को खतरे में डालता है। उन्होंने आरोप लगाया कि फर्जी वेबसाइट के माध्यम से समाज के दो समूहों के बीच भ्रम पैदा करने और झगड़ा कराने का प्रयास किया गया। शिकायत के आधार पर, साइबर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत जालसाजी, पहचान की चोरी, झूठी जानकारी प्रसारित करने और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों के तहत दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। वहीं रोहित पवार ने 16 अक्टूबर को आरोप लगाया था कि पिछले वर्ष लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति के लिए प्रतिकूल परिणाम आने के बाद फर्जी मतदाताओं का पंजीकरण, वास्तविक मतदाताओं के नाम सामूहिक रूप से हटाना और दोहरा मतदाता पंजीकरण जैसी अनियमितताएं हुई थीं। उन्होंने मतदाता वृद्धि के आंकड़ों पर सवाल उठाया, इसमें बताया गया कि 2024 के लोकसभा चुनावों और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बीच केवल छह महीनों में 48 लाख मतदाताओं को जोड़ा गया।

केंद्र सरकार का ड्राफ्ट तैयार: अब मनुस्मृति के अनुसार तय होगी श्रमिकों की मजदूरी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में हाड़तोड़ परिश्रम कर पसीना बहाकर दो जून की रोटी कमाने वाले मजदूरों की मजदूरी अब मनुस्मृति के अनुसार तय की जाएगी। इस आशय का ड्रॉफ्ट केंद्र सरकार ने तैयार कर लिया है। बता दें ये वही मनुस्मृति है जिसको लेकर आए दिन राजनीति गर्माती रहती है। केंद्र सरकार की ओर से तैयार की गई लेबर पॉलिसी, 2025 के ड्राफ्ट में इसका जिक्र किया गया है। ड्राफ्ट में बताया गया है कि मनुस्मृति में भी इस बात का उल्लेख किया गया है कि कैसे मजदूरी तय होनी चाहिए और कैसे श्रमिकों के हितों की रक्षा होनी चाहिए। ड्राफ्ट में कई ग्रंथों का जिक्र किया गया है, लेकिन मनुस्मृति को लेकर जिस तरह का विवाद रहा है, उससे आशंका है कि इस पर चर्चा छिड़ सकती है।

इस ड्राफ्ट में कहा गया है कि हमारे ग्रंथों में शुल्क न्याय की बात थी। इसमें बताया गया था कि कैसे किसी मजदूर को समय पर उसका वेतन मिलना जरूरी है और यह एक न्याय है। ऐसा ना किया जाना अन्याय की श्रेणी में रखा गया था। ग्रंथों का जिक्र करते हुए लिखा गया है, मनुस्मृति, याज्ञवल्क्यस्मृति, नारदस्मृति, शुक्रनीति और अर्थशास्त्र जैसे प्राचीन ग्रंथों ने राजधर्म की अवधारणा के माध्यम से श्रम की परिभाषा तय की है। इनमें न्याय, उचित मजदूरी और श्रमिकों को शोषण से बचाने के लिए कर्तव्यों पर जोर दिया गया है। इन प्रारंभिक सूत्रों ने आधुनिक श्रम कानून के उदय से सदियों पहले भारत के सभ्यतागत ताने-बाने में श्रम शासन के नैतिक आधार को अंतर्निहित कर दिया था। ड्राफ्ट में लिखा गया है कि श्रम के बारे में भारत की समझ इसके आर्थिक आयाम से कहीं आगे तक जाती है। यह एक पवित्र और नैतिक कर्तव्य का प्रतीक है जो सामाजिक सद्भाव, आर्थिक कल्याण और सामूहिक समृद्धि को बनाए रखता है। भारतीय विश्वदृष्टि में काम केवल आजीविका का साधन नहीं है बल्कि धार्मिक कर्तव्य के रूप में इसकी व्याख्या की गई है। इसके माध्यम से धर्म की व्यापक व्यवस्था में योगदान की बात भी कही गई है। यह दृष्टिकोण प्रत्येक श्रमिक को सामाजिक सृजन के चक्र में एक अनिवार्य भागीदार के रूप में मान्यता देता है। चाहे वह कारीगर हो, किसान हो, शिक्षक हो या औद्योगिक मजदूर हो, सभी को व्यवस्था के अंग के रूप में स्वीकार किया गया है।

इसके अलावा शुक्रनीति का उल्लेख करते हुए लिखा गया है कि किसी कर्मचारी को सुरक्षित और मानवीय माहौल प्रदान करना नियोक्ता का कर्तव्य है। वहीं इस मामले पर विपक्ष हमलावर हो गया है। कांग्रेस के कई नेताओं ने इस पर आपत्ति जताई है और कहा कि जातिभेद करने वाली मनुस्मृति का जिक्र करना गलत है। इससे पता चलता है कि इनके मूल्य क्या हैं और ये कैसा समाज बनाना चाहते हैं। कांग्रेस के सीनियर लीडर जयराम रमेश ने हमला बोलते हुए कहा कि मनुस्मृति के सिद्धांतों की ओर यह वापसी आरएसएस की सबसे प्रिय परंपराओं के अनुरूप है। आखिरकार,

संविधान के अपनाए जाने के तुरंत बाद आरएसएस ने इस आधार पर संविधान पर हमला किया था कि भारतीय संविधान मनुस्मृति में निहित मनु के आदर्शों और मूल्यों से प्रेरणा नहीं लेता है।

संपादकीय

हिमाचली बंदे में है दम

मानव विकास के हर आयाम पर हिमाचल ने तरक्की के तमाम क्षेत्र चुन लिए और यही वजह है कि राष्ट्रीय सूचकांक की सतह से कहीं ऊपर ह्यहिमाचली बंदे में दम हैह्न। भौगोलिक दुरुहता को पाटते हुए हिमाचल ने अपने नागरिकों को राष्ट्रीय पैमानों में अव्वल किया, तो यह मंजर कई सरकारों के सतत प्रयास की निशानी भी है। प्रदेश साक्षरता दर में 99.2 प्रतिशत के शिखर पर विराजमान है, तो यह स्थिति लंबे संघर्ष और सीधे मुकाम की है। गरीबी दर का घटना पहाड़ के जीवन को नई महत्त्वाकांक्षा में गूंथना है और इसीलिए अब सोचा यह जा रहा है कि घोषित रूप से हिमाचल को किसी भी प्रकार की गरीबी से सौ फीसदी मुक्त कर दिया जाए। यह इसलिए भी कि प्रति व्यक्ति आय 9.6 प्रति दर से वृद्धि करके राष्ट्रीय औसत से कहीं ऊपर 257212 रुपए तक पहुंच गई है। नवजात मृत्यु दर गिरी है, तो सामाजिक सुरक्षा के पैमानों में यह प्रदेश एक नगीना बन गया है। देश में मानव विकास की पांचवीं पायदान पर पहुंचना यूं तो श्रेष्ठता की कहानी है, लेकिन इतनी सारी उपलब्धियों के बावजूद प्रदेश की प्रगति के आईनों में कुछ जख्मों का दर्द झलकता है। राष्ट्र के कई पथ, कई आकाश और कई प्रयास अभी भी हिमाचल को छोटा करके आंकते हैं। राष्ट्रीय संस्थानों की शिनाख्त में अगर हिस्सेदारी की मैरिट बने, तो इनकी स्थापना से नजरिया बदलेगा और प्रतिस्पर्धा में अवसर सामने आएंगे। बेशक हम मानव विकास की पांचवीं पायदान पर हैं, लेकिन क्या हम राष्ट्रीय अवसर प्राप्ति में भी पांचवें हैं। हम तो सेना भर्ती के कोटे में भी इसलिए पिछड़ जाते हैं, क्योंकि देश को बड़े राज्यों की जनसंख्या का आधार पुख्ता करना है। हम मैट्रो शहरों से ऊपर मानव विकास को रूपांतरित करते हैं, लेकिन केंद्र की चिंताओं में वित्त पोषण की जागीर को हम नहीं छू पाते। एक सैंपल के लिहाज से हमारा गुणात्मक पक्ष हमें गौरवान्वित करता है, लेकिन मानव विकास के आंकड़े आर्थिक विकास में परिवर्तित नहीं होते। दरअसल यह राज्य उपभोक्तावाद के रूप में प्रति व्यक्ति खरीद फरोख्त में अव्वल हो रहा है। इसीलिए मोबाइल खरीद हो या इंटरनेट पर उतरती रील हो, हम हिमाचली राष्ट्र के तमाम आंकड़ों को डाउनलोड करके भी अपनी जेब और रोजगार के अवसरों से महरूम रहते हैं।

चिंतन-मनन

मरने के बाद कहां जाता है इंसान

सभी धर्मों में पुनर्जन्म की बात कही गयी है, यानी एक शरीर को छोड़ने के बाद इंसान दूसरे शरीर में प्रवेश करता है। लेकिन मृत्यु के बाद से पुनर्जन्म लेने तक जीव कहां रहती है यह एक बड़ा सवाल है। भगवान श्री कृष्ण ने भी गीता में कहा है कि आत्मा न तो जन्म लेती है और न मरती है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर जीव के मरने के बाद आत्मा कहां जाती है। इसका उत्तर आप जरूर जानना चाहते होंगे। 18 पुराणों में से गरूड़ पुराण ही एक ऐसा पुराण है जिसमें इस प्रश्न का उत्तर दिया गया है। इस पुराण में कहा गया है कि मृत्यु के बाद जीवात्मा को शरीर से निकाल कर ले जाने के लिए दो यमदूत आते हैं। जो व्यक्ति अपने जीवन काल में अच्छे कर्म करते हैं उनकी आत्मा शरीर से आसानी से निकल जाती है। जिनका अपने शरीर से मोह नहीं जाता है और जीवन काल में अच्छे कर्म नहीं करते हैं उन्हें यमदूत जबरदस्ती खींच कर अपने साथ ले जाते हैं। शरीर से निकलने के बाद आत्मा अंगूठे के आकार का बन जाता है। यह दिखने में उसी प्रकार का होता है जैसा मृत व्यक्ति दिखने में होता है। इस आत्मा को लेकर यमदूत यमराज के पास जाते हैं। यहां उसे 24 घंटे रखा जाता है और जीवन काल में उसके द्वारा किये गये अच्छे बुरे कर्मों को दिखाया जाता है। इसके बाद आत्मा को पुनः उसी स्थान पर लाकर रख दिया जाता है जहां से यमदूत उसे लेकर जाते हैं। 13 दिनों तक इस स्थान पर रहकर आत्मा अपने शरीर का अंतिम संस्कार देखता है। इसके बाद यमदूत उसे अपने साथ लेकर पुनः यमलोक की ओर चलते हैं। इस रास्ते में आत्मा को यम की भयानक नगरी के दर्शन कराये जाते हैं। इस रास्ते में आत्मा को कई प्रकार की भयानक यतानाएं सहनी पड़ती है। एक साल तक इस रास्ते में चलते हुए जीवात्मा यमलोक पहुंचती है। यहां यमराज व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार नर्क, स्वर्ग अथवा दूसरी योनियों भेजते हैं। यहीं पर तय होता है कि व्यक्ति को दूसरा जन्म कब मिलेगा। जो लोग धर्मात्मा होते हैं उन्हें यमलोक की यात्रा नहीं करनी पड़ती है। ऐसे लोगों के लिए विमान आता है जिसमें बैठकर आत्मा विष्णु लोक चली जाती है। जिन्हें विष्णु लोक में स्थान मिल जाता है उन्हें पुनः जन्म नहीं लेना पड़ता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

शहर जहां सौन्दर्य, संभावनाएं एवं संवेदनाएं बिछी हो

ललित गर्ग

विश्व शहर दिवस हर साल 31 अक्टूबर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य शहरीकरण में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की रुचि बढ़ाना, शहरीकरण की चुनौतियों का समाधान करने में देशों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना और सतत विश्व नगर योजना को अधिक मानवीय, अपराधमुक्त एवं पर्यावरण संपोषक बनाना है। यह दिवस पहली बार 2014 में मनाया गया था। इसका उद्देश्य शहरीकरण के रुझानों, चुनौतियों और सतत शहरी विकास के दृष्टिकोण के बारे में अंतर्राष्ट्रीय जागरूकता बढ़ाना, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और समतामूलक, समृद्ध, टिकाऊ और समावेशी शहरों के निर्माण के वैश्विक प्रयासों में योगदान देना है जो अपने समुदायों को बेहतर रहने का वातावरण और जीवन की गुणवत्ता प्रदान करते हैं। इस वर्ष विश्व शहर दिवस का वैश्विक आयोजन कोलंबिया के बोगोटा में 'जन-केंद्रित स्मार्ट सिटीज' थीम पर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर यह प्रदर्शित किया जाएगा कि डेटा-आधारित निर्णय लेने, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग शहरी जीवन को बेहतर बनाने और वर्तमान झटकों व संकटों से उबरने के लिए कैसे किया जा सकता है। इस अवसर पर जन-केंद्रित स्मार्ट सिटी पहलों को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। निश्चित ही शहर उस उम्मीद का माध्यम बने, जहां सौन्दर्य एवं संवेदनाएं अनेक रूपों में बिछी हो, जहां कुछ नया और कुछ पुराना, पर सब मनमोहक हो। इस वर्ष का विषय इस बढ़ती मान्यता को दशार्ता है कि डिजिटल तकनीकों की परिवर्तनकारी शक्ति वैश्विक स्तर पर शहरी जीवन को नया रूप दे रही है और शहरों और मानव बस्तियों के डिजाइन, नियोजन, प्रबंधन और संचालन के तरीकों को बेहतर बनाने के लिए व्यापक अवसर प्रदान कर रही है। अभिनव विकास, जनोन्मुखी स्मार्ट शहर का निर्माण केन्द्रित थीम शहरी और डिजिटल दोनों तरह के बदलावों से चिह्नित इस युग में, शहर निवासियों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करने और महत्वपूर्ण शहरी चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने के लिए डिजिटल तकनीकी समाधानों और डेटा को तेजी से अपनाने पर बल देती हैं। 'सशक्त समुदाय, समृद्ध शहर' को बल देते हुए यह दिवस समुदायों को जागरूक, सहयोगी और आत्मनिर्भर करने की पहल है ताकि शहर वास्तव में विकसित, संस्कृतिमय और समृद्ध बन सके। आज जब पूरी दुनिया तीव्र गति से शहरीकरण की ओर बढ़ रही है, तब यह दिवस आत्ममंथन का अवसर बन गया है कि क्या हमारे शहर केवल कंक्रीट की इमारतों और चकाचौंध का विस्तार बन रहे हैं या उनमें मानवीय संवेदनाओं, संस्कृति, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक समरसता का पोषण भी हो रहा है। भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत, विकसित भारत को विकसित करते हुए शहरीकरण का एक नया मॉडल प्रस्तुत हुआ है, जिसने शहरों के विकास को केवल भौतिक संरचनाओं तक सीमित न रखकर जीवन मूल्यों और नागरिक सहभागिता से जोड़ा है। अमृत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वस्थ भारत मिशन, स्मार्ट शहर योजना और स्वच्छ भारत अभियान जैसी योजनाओं ने शहरों के ढांचे में नई चेतना का संचार किया है। इन योजनाओं ने यह साबित किया है कि जब सरकार की नीतियों में जनता की भागीदारी और पारदर्शिता जुड़ती है तो विकास केवल आंकड़ों में नहीं, व्यवहार में भी दिखने लगता है। शहरीकरण का अर्थ केवल ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़के और चमकदार बाजार नहीं है, बल्कि यह एक जीवंत सामाजिक प्रक्रिया है जिसमें जीवन स्तर, विचार और व्यवहार की गुणवत्ता निहित होती है। शहरों ने मनुष्य को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुविधा दी है, लेकिन इसी के साथ प्रदूषण, भीड़, तनाव, अपराध, असमानता और मानवीय रिश्तों की दूरी भी दी है। हर बड़ा शहर आज सांस लेने के लिए हवा, पीने के लिए स्वच्छ पानी और जीने के लिए शांति तरस रहा है। विकास के नाम पर प्रकृति का ह्रास हो रहा है और भौतिक प्रगति के साथ मानसिक थकान बढ़ रही है। भारत के प्राचीन नगर जैसे काशी, उज्जैन, पुष्कर, मथुरा और अयोध्या केवल व्यापारिक या राजनीतिक केंद्र नहीं थे, वे संस्कृति, अध्यात्म और सह-अस्तित्व की जीवंत प्रयोगशालाएं थे। वहां नगर का अर्थ केवल रहने की जगह नहीं, जीने की कला था। आज के नगर यदि इन मूल्यों को फिर से अपनाएं तो वे केवल आधुनिक ही नहीं, मानवीय भी बन सकते हैं। पश्चिम के देशों में शहरीकरण तकनीकी दक्षता और सुविधाओं की दृष्टि से आगे है, पर वहां मानवीय ऊष्मा और आत्मीयता का अभाव है। भारत यदि अपने शहरीकरण में मानवता, पर्यावरण और संस्कृति का संगम बनाए रखे तो वह पूरी दुनिया के लिए एक आदर्श प्रस्तुत कर सकता है। शहर तब सचमुच जीवंत बनेंगे जब उनमें रहने वाले लोग पर्यावरण के प्रति संवेदनशील, सामाजिक रूप से जागरूक और मानवीय दृष्टि से समर्पित होंगे। प्रदूषण को रोकना, हरियाली बढ़ाना, स्वच्छता को जीवनचर्या बनाना, झुग्गी बस्तियों को सम्मानजनक आवास देना, जनसहभागिता और नागरिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना ही वास्तविक शहरीकरण का मार्ग है। भारत के शहर आज तेजी से बदल रहे हैं। मेट्रो, ऊँची इमारतें, चौड़ी सड़कों और चमकदार मॉलों ने इनका नया चेहरा गढ़ दिया है। यह परिवर्तन विकास की चमक दिखाता है, पर इसके भीतर एक गहरी पीड़ा भी छिपी है, कहीं न कहीं शहरों की आत्मा, उनकी पहचान, उनकी गर्माहट खोती जा रही है। जो गलियां कभी अपनत्व और रिश्तों की खुशबू से महकती थीं, वे अब भागदौड़, भीड़ और उदासीनता का प्रतीक बन गई हैं। स्वतंत्रता के बाद भारत ने आधुनिकता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए, पर इस भौतिक विकास की दौड़ में मानवीय संवेदनाएं और सामाजिक संबंध पीछे छूट गए। शहरों का विस्तार अब मनुष्य की जरूरतों के बजाय बाजार की मांगों के अनुसार हो रहा है। नई कॉलोनियाँ और ऊँची इमारतें पुराने मोहल्लों की जगह ले रही हैं, पर उनके भीतर वह आत्मीयता एवं संवेदनशीलता नहीं जो कभी लोगों के दिलों को जोड़ती थी।

इस वर्ष नोबेल पुरस्कार प्राप्त सृजनात्मक विनाश के सिद्धांत की जड़ें हिंदू सनातन संस्कृति में हैं

प्रहलाद सबनानी

हिंदू सनातन संस्कृति से सम्बंधित वेदों, पुराणों एवं धार्मिक ग्रंथों में यह वर्णन मिलता है कि मानव जीवन की प्राप्ति, 84 लाख योनियों के चक्र के पश्चात प्राप्त होती है। साथ ही, यह भी माना जाता है कि मानव जीवन की प्राप्ति पिछले जन्मों में किए गए कर्मों को भोगने, भविष्य का निर्माण करने एवं 84 लाख योनियों के चक्र से बाहर निकलकर मोक्ष की प्राप्ति करने के लक्ष्य को हासिल करने के अवसर के रूप में मिलती है। अब, यह इस मानव जीवन में किए गए कर्मों पर निर्भर करता है कि हमें मोक्ष की प्राप्ति होगी अथवा 84 लाख योनियों के चक्र में एक बार पुनः फंसे रहेंगे। यदि हम अपने कर्मों को लगातार धमार्नुसार करते हैं तो मोक्ष की प्राप्ति सम्भव है। इसी आधार पर ही यह कहा भी जाता है कि मोक्ष प्राप्ति के उद्देश्य से ही देवता भी मानव जीवन को प्राप्त करने की कामना करते हैं।

मोक्ष प्राप्ति के उद्देश्य से मिले इस मानव जीवन को संवारने की दृष्टि से विद्वान संत महात्मा उपदेश देते हैं कि काम एवं अर्थ से सम्बंधित की जाने वाली गतिविधियों को धर्म आधारित होना चाहिए ताकि अंत में मोक्ष की प्राप्ति सम्भव हो सके। अतः काम एवं अर्थ को धर्म एवं मोक्ष के बीच स्थान दिया गया है। धर्म का आशय यहां प्रभु परमात्मा की भक्ति अथवा पंथ (रिलीजन) से कतई नहीं हैं बल्कि धर्म से आश्य यह है कि किसी भी प्रकार के कार्य को सम्पन्न करने में इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि किए जाने वाले कार्य से किसी भी जीव जंतु अथवा मानव की हानि नहीं हो इसके ठीक विपरीत हमारे द्वारा किए जाने वाले कार्यों से समाजजनों की भलाई हो। अर्थात, निर्धारित नियमों का अनुपलान करते हुए व्यक्तिगत एवं सामाजिक कार्यों को सम्पन्न करना ही हमारा धर्म है और यदि हम लगातार धर्म के अनुसार कार्य करते रहेंगे तो मोक्ष की प्राप्ति सम्भव हो सकेगी। इस प्रकार, हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार पुनर्जन्म में विश्वास किया जाता है। किसी भी प्राणी का अहित करना तो दूर, बल्कि इसके बारे में कभी सोचा भी नहीं जाता है। समस्त जीवों में प्रभु परमात्मा का वास माना जाता है और सभी जीवों में एक ही आत्मा का निवास मानकर आपस में एकाकार माना जाता है। 'वसुधैव कुटुम्बकम', 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' 'सर्वे भवंतु सुखिनः' की भावना का जन्म भी उक्त सिद्धांत के आधार पर ही हुआ है। प्रभु परमात्मा द्वारा निर्धारित की गई उम्र को प्राप्त करने के पश्चात इस जीव को अपना मानुष चोला त्यागकर, इस जीवन में किए गए कर्मों के आधार पर नयी योनि में जन्म लेना होता है और इसे ही सृजनात्मक विनाश की संज्ञा दी जा सकती है।

हाल ही में, वर्ष 2025 के लिए अर्थशास्त्र विषय में नोबेल पुरस्कार की घोषणा की गई है। इस वर्ष यह पुरस्कार श्री जोएल मोक्यर, फिलिप एगियन और श्री पीटर हाविट को 'सृजनात्मक विनाश (क्रीएटिव डेस्ट्रक्शन)' एवं 'नवाचार संचालित आर्थिक संवृद्धि की व्याख्या' विषय पर शोद्ध करने के लिए संयुक्त रूप से दिया गया है।

श्री फिलिप एगियन और पीटर हाविट ने सृजनात्मक विनाश के माध्यम से सतत संवृद्धि के सिद्धांत साझा किए हैं। आपने सृजनात्मक विनाश की व्याख्या करने के लिए एक गणितीय मॉडल तैयार किया है। सृजनात्मक विनाश के अनुसार, जब बाजार में नए और बेहतर उत्पाद आते हैं, तो पुराने उत्पाद बेचने वाली कम्पनियां अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता खो देती हैं या बाजार से बाहर हो जाती है। इसे सृजनात्मक कहा जाता है, क्योंकि यह नवाचार पर आधरित है। यद्यपि यह विनाशकारी भी हैं, क्योंकि पुराने उत्पाद अप्रचलित हो जाते हैं और अपना वाणिज्यिक मूल्य खो देते हैं। इस प्रकार बाजार में नई इकाईयों का पदार्पण होता है एवं पुरानी इकाईयों का विनाश हो जाता है। इसे ही सृजनात्मक विनाश की संज्ञा दी गई है।

ऐसा आभास हो रहा है कि उक्त सिद्धांत की जड़ें हिंदू सनातन संस्कृति से ही निकलती हैं। जिस किसी जीव ने इस धरा पर जन्म लिया है उसे एक दिन तो अपने जीवन का परित्याग करना ही है। मानव जीवन की प्राप्ति भी कुछ उद्देश्यों को पूर्ण करने के लिए होती है, उन उद्देश्यों की प्राप्ति के पश्चात इस मानव जीवन को छोड़ना ही होता है। उसी प्रकार, सृजनात्मक विनाश के सिद्धांत में भी एक समय सीमा के पश्चात उत्पादों के विनिर्माण हेतु बाजार में जब नयी पीढ़ी की इकाईयों का पदार्पण होता है तो पुरानी पीढ़ी की विनिर्माण इकाईयों को बाजार से बाहर हो जाना होता है।

हिंदू सनातन संस्कृति का अध्ययन करने पर ध्यान में आता है कि स्व-सृजक प्रक्रिया एवं रचनात्मक विनाश का सिद्धांत तो भारतीय संस्कृति में पूर्व से ही अंतर्निहित है। भगवान शिव जब तांडव नृत्य करते हैं तो बुरे विचारों का नाश होकर नए विचार जन्म लेते हैं जो प्रकृति का सृजन कर प्रकृति को नई ऊंचाई पर ले जाने में सहायक होते हैं। भगवान शिव भी तांडव नृत्य इस सिद्धांत के आधार पर करते हैं ताकि पृथ्वी पर आवश्यक विनाश हो सके एवं नयी प्रकृति का पुनर्निर्माण हो सके। 'शिव तांडव के सृजनात्मक विनाश सम्बंधी सिद्धांत' को ही अर्थशास्त्र में लागू करते हुए कहा गया है कि प्रत्येक उत्पादन इकाई की अपनी एक उम्र तय होती है और इस खंडकाल में सामान्यतः नवाचार होने के चलते पुरानी इकाईयां बंद हो जाती हैं और यहां यह कहा गया है कि इन पुरानी इकाईयों को नष्ट होने देना चाहिए ताकि नवाचार के साथ नई उत्पादन इकाईयों को स्थापित कराया जा सके। यह सिद्धांत शिव तांडव की तरह विभिन्न क्षेत्रों में लगातार चलता रहता है।

श्री जोएल मोक्यर ने तकनीकी प्रगति के माध्यम से सतत आर्थिक संवृद्धि के लिए आवश्यक पूर्व शर्तों की पहचान की है और उन्होंने उन तंत्रों का वर्णन किया है जो वैज्ञानिक सफलताओं और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों को एक दूसरे को बढ़ाने तथा एक स्व-सृजक प्रक्रिया बनाने में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने सतत संवृद्धि के लिए आवश्यक कारकों की पहचान की हैं। इनमें शामिल हैं - उपयोगी ज्ञान का सतत प्रवाह - जिसमें (1) प्रस्तावात्मक ज्ञान (प्रोपोजीशनल नोलेज), जो दशार्ता है कि कोई व्यक्ति काम क्यों करता है,(2) निदेर्शात्मक ज्ञान (प्रेसक्रिप्टिव नोलेज) जो वर्णित करता है कि किसी व्यक्ति द्वारा काम करने के लिए क्या आवश्यक है, शामिल है। इसी प्रकार वाणिज्यिक ज्ञान द्वारा विचारों को वाणिज्यिक उत्पादों में बदला जाता है और इस परिवर्तन के प्रति सामाजिक खुलापन होना चाहिए जो पुराने उत्पादों के स्थान पर नए उत्पादों को स्वीकार करने की इच्छा रखते हों।

इसी प्रकार स्व-सृजक प्रक्रिया के अंतर्गत यह कहा जा सकता है कि हिंदू सनातन संस्कृति में मनुष्य का इस धरा पर जन्म 84 लाख योनियों से अपने आप को मुक्त करने के उद्देश्य से होता है अतः उसे ज्ञान रहता है कि उसे किस प्रकार के कर्म इस मानुष जीवन में करना हैं और क्यों करना है। इन निर्धारित कर्मों को करते हुए मनुष्य मोक्ष को प्राप्त करने हेतु सदैव ही प्रयासरत रहता है। इस ही स्व-सृजक प्रक्रिया कहा जा सकता है।

(सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी थे सरदार पटेल

सरदार वल्लभभाई पटेल स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता थे जो भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बने। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और स्वतंत्र भारत में सभी रियासतों के एकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिसके लिए उन्हें लौह पुरुष भी कहा जाता है। सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारतीय नागरिक सेवाओं आईसीएस का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं आईएएस बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें देशभक्ति की ओर मोड़ा।

स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोडकर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी।

महात्मा गांधी ने सरदार वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि उन्होंने भारत को एकजुट करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे उनका महत्वपूर्ण योगदान था। सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थी। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कृतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए

अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की।

सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनो ही बार महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप कर पण्डित जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया था। 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के करांची अधिवेशन की अध्यक्षता की। जनवरी 1932 में उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। जुलाई 1934 में वह रिहा हुए और 1937 के चुनावों में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन को व्यवस्थित किया।

अक्टूबर 1940 में कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ पटेल भी गिरफ्तार हुए और अगस्त 1941 में रिहा हुए। 1945-1946 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए सरदार पटेल प्रमुख उम्मीदवार थे। लेकिन महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप करके जवाहरलाल नेहरू को अध्यक्ष बनवा दिया। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में नेहरू को ब्रिटिश वाइसरॉय ने अंतरिम सरकार के गठन के लिए आमंत्रित किया। इस प्रकार यदि घटनाक्रम सामान्य रहता तो सरदार पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते।

गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी सरदार पटेल को ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण किया। विश्व के इतिहास में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो।देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी।

लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए। लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा।

जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। जवाहरलाल नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण हमें चीन से पिटना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निमाण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य शामिल हैं।

सरदार पटेल का निधन 15 दिसम्बर 1950 को मुम्बई में हुआ था। सरदार पटेल को उनकी मृत्यु के 41 साल बाद 1991 में मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया जो उन्हे बहुत पहले मिलना चाहिये था। वर्ष 2014 में केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती (31 अक्टूबर) को देश भर में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाना शुरू कर उनको सम्मनित किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात था ही। संघर्षो में तपकर उनका मनोबल लौहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छा शक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होने देश की आजादी के बाद एक भारत बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारत के राजनीतिक इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। देश की आजादी के संघर्ष में उन्होने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी व नये भारत के निमार्ता थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को सैदव याद रखा जायेगा।

गजरौला स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) नगरपालिका क्षेत्र में स्थित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय का 43 वां वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। देर रात तक अभिभावक और अतिथि कार्यक्रम स्थल पर ही डटे रहे। जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड के निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन (जेबीएफ) के सहयोग से अगले सत्र से स्कूल में कंप्यूटर लैब शुरू कराने की घोषणा की। बता दें कि बुधवार की देर शाम कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान से हुई। छात्राओं ने अतिथियों के सम्मान में स्वागत गान प्रस्तुत किया। इसके बाद मुख्य अतिथि जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, ज्ञान भारती इंटर कालेज के प्रबंधक एवं पूर्व

चेयरमैन रोहताश कुमार शर्मा, व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के प्रदेश महामंत्री सुबोध सिंघल, सरस्वती शिशु मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष पपिल केशव गर्ग, प्रबंधक कपिल सिंघल, प्रधानाचार्य रामदास डा.राजीव शुक्ला आदि ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलित करके की। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हुआ। बच्चों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रबंधक कपिल सिंघल ने विद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक की गतिविधियों की बिंदुवार जानकारी दी। अतिथियों ने सरस्वती शिशु मंदिर की कायापलट करने के लिए प्रबंध समिति के प्रत्येक सदस्य और सहयोगी दानदाताओं की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन बरेली से आईं नीति अग्रवाल ने किया। इस मौके पर जेबीएफ में सीएसआर कार्यक्रम अधिकारी विशाल गौरव, अग्रवाल सभा रजिस्टर्ड हसनपुर के अध्यक्ष आदेश कुमार अग्रवाल, अग्रवाल सभा गजरौला के प्रबंधक प्रमोद सिंघल, शिखा सिंघल, सतीश अग्रवाल, संजय सिंघल, अनुराग बंसल, विवेक अग्रवाल, संजीव सिंघल, दिनेश अग्रवाल, दिनेश सिंघल, सचिन बंसल, मिलन बंसल, नीलाक्ष अग्रवाल, अनुज अग्रवाल शेरी, सुरमित गुप्ता, सुधीर सिंघल, शशि सिंघल, विनय प्रकाश सिंघल, नितिन बंसल, नितिन सिंघल, प्रमोद सिंघल, पंकज शर्मा, ईशान अग्रवाल, मनोज चौहान, शुभम सिंघल, हैप्पी बंसल, पुष्पा सिंघल, ज्योति अग्रवाल, महिला अग्रवाल सभा की अध्यक्ष विनीता गर्ग, रचना सिंघल, अजय सिंघल मौजूद रहे।

कंपोजिट विद्यालय दयावली खालसा में किया गया खेल प्रतियोगिता का आयोजन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय दयावली खालसा में न्याय पंचायत दीपपुर के संकुल स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष होमपाल एवं संकुल प्रभारी कमल शर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। जिसमें न्याय पंचायत के सभी विद्यालयों से विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्राथमिक स्तर पर 50 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में कमल, कंपोजिट विद्यालय नवाबपुरा सोहरका ने प्रथम स्थान व विशाल कंपोजिट विद्यालय दयावली खालसा ने द्वितीय स्थान तथा 100 मीटर दौड़ में कुपित कंपोजिट विद्यालय नवाबपुरा सोहरका प्रथम स्थान व मोहित कंपोजिट विद्यालय अल्लीपुर खादर ने द्वितीय स्थान। उच्च प्राथमिक विद्यालय बालक वर्ग में चक्का फेंक में लविश कंपोजिट विद्यालय शेखूपुर झकड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जूनियर स्तर बालिका वर्ग कबड्डी में कंपोजिट विद्यालय भीमाठीकरी के बच्चों ने प्रथम स्थान एवं कंपोजिट विद्यालय अल्लीपुर खादर की बालिकाओं ने द्वितीय तथा खो-खो में अलीपुर खादर ने प्रथम स्थान सतेड़ा मटेना ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। न्याय पंचायत के प्रभारी एआरपी राज नारायण सिंह व शिक्षक- चंद्र प्रकाश सिंह, अमित गुप्ता, पलक गुप्ता, दिव्या रस्तोगी,पूनम वर्मा, दिव्या राणा, कमल शर्मा, रूपबसंत, रूपचंद सिंह, ललित अग्रवाल ,प्रियंका चौहान ,बिपाशा चौहान ,राजीव कुमार, नसीम कौसर, तूफान सिंह कटारिया ,गौरव गुप्ता ,निशु रानी ,सुभाष सिंह, रविंद्र सिंह ,भूपेंद्र कुमार ,कनिका कनौजिया ,देवेंद्र सिंह ,नेहा भारती ,हर्ष लता ,अमित कुमार, दीप्ति वर्मा, डोली चौहानव अन्य सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

पैरेंट्स काउंसिल में दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को किया गया सम्मानित

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के ढ़किया खादर में समग्र शिक्षा अभियान में समेकित शिक्षा के अंतर्गत विकासखंड गंगेश्वरी के परिषदीय विद्यालयों में अध्यनरत दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों के लिए पेरेंट्स काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांग छात्र छात्राओं के अभिभावकों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए खंड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार ने कहा कि दिव्यांग छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास बहुत जरूरी है।यह छात्र छात्राएं किसी भी क्षेत्र में सामान्य बच्चों से कम नहीं है। शिक्षा के क्षेत्र में तो खासतौर से दिव्यांग छात्र-

छात्राएं अपनी कामयाबी के झंडे गाड़ रहे हैं। हम सभी अभिभावकों को इन विशेष बच्चों का भरपूर सहयोग करते हुए इन्हें आगे बढ़ना चाहिए। समेकित शिक्षा के अंतर्गत इन विशेष छात्रों के लिए सरकार द्वारा अनेकों सुविधा प्रदान की जा रही हैं। समय-समय पर इन छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य का परीक्षण करके इनके लाभ के लिए विकलांग उपकरण प्रदान किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि दिव्यांग छात्र छात्राएं खेलों के अनेकों रूप में प्रतिभाग करते हैं और अपनी प्रतिभा का अच्छा प्रदर्शन करते हैं। कार्यक्रम को विशेष शिक्षक दिवाकर शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि यह हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है कि इन विशेष बच्चों को प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होना पड़ेगा। पैरेंट्स काउंसिल कार्यक्रम में बोलते हुए प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह ने कहा कि हम सभी अध्यापकों एवं अभिभावकों को इनके अच्छे भविष्य के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने होंगे। ताकि यह दिव्यांग छात्र छात्राएं प्रत्येक क्षेत्र में सामान्य बच्चों की तरह कामयाबी के शिखर को छू सके। इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह,विशेष शिक्षक दिवाकर शर्मा, विशेष शिक्षक प्रणवीर सिंह, संकुल शिक्षक महताबउद्दीन,प्रमोद कुमार, विकास राहुल,लाल सिहं,मदनपाल, विपिन कुमार,मित्रपाल, मुखराम सिह, गजराज सिंह,चन्द्रमुखी,पूजा, संतोष देवी,सुनीता देवी, विमलेश आदि मौजूद रहे।

प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी ने गंगा मेला स्थल पर की व्यवस्थाओं की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग अजय चौहान की अध्यक्षता में गंगा तिगरी मेला स्थल में स्थित जिलाधिकारी कैंप पर गंगा तिगरी मेला पर की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। इस अवसर पर उन्होंने जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद से मेला में की गई व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और अध्यक्ष नगर पालिका परिषद शशि जैन द्वारा प्रमुख सचिव को मोमेंटो भी भेंट किए गए बैठक में प्रमुख सचिव द्वारा अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग अमरोहा, अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड, अधिशासी अभियंता विद्युत विभाग और अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण, जिला पंचायत राज अधिकारी और अधिशासी अधिकारी की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रमुख सचिव ने टेंट सिटी एवं मेला क्षेत्र में निर्मित सभी सड़कों तथा अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने घाटों का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिए कि सभी मजिस्ट्रेट निरंतर जाँच करते रहें कि नावें सुचारु रूप से कार्यरत हैं या नहीं। यह भी निर्देशित किया कि गहरे घाटों पर स्नान न करने के संबंध में लगातार अनाउंसमेंट होता रहे। असुरक्षित घाटों पर फ्लोटिंग बैरियर लगाने के साथ-साथ, जहाँ घाट नहीं बनाए गए हैं, वहाँ गंगा तट पर बैरिकेडिंग की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि श्रद्धालु केवल निर्मित एवं सुरक्षित घाटों पर ही स्नान करें। इसके लिए तैनात अधिकारी एवं कर्मचारी श्रद्धालुओं को निरंतर समझाते रहें। इस अवसर पर मेला अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वि/रा) गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, उपजिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर शशि भूषण पाठक, लोक निर्माण विभाग, बाढ़ खंड सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विधिक जागरूकता कार्यशाला का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के अब्दुल रज्जाक डिग्री कॉलेज, जोया में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) अमरोहा के तत्वावधान में महिलाओं के साथ कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 विषय पर एक विधिक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थलों पर लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम, आंतरिक समिति (IC) एवं स्थानीय समिति (LC) के गठन की प्रक्रिया, निवारण के उपाय तथा राहत एवं सहायता से संबंधित विधिक प्रावधानों की जानकारी आम नागरिकों तक पहुँचाना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता उ्छरअ अमरोहा की सचिव ज्योति ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को निःशुल्क कानूनी सहायता, आर्थिक सहयोग एवं पुनर्वास की सुविधा प्रदान करती है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए बताया कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा एवं समानता सुनिश्चित करने हेतु सरकार द्वारा अनेक प्रभावी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। कार्यशाला में महेश सिंह ने प्रतिभागी महिलाओं को उक्त अधिनियम से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कानून कार्यस्थलों पर महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करता है और इसके तहत आंतरिक समिति एवं स्थानीय समिति का गठन अनिवार्य है। कार्यस्थलों पर सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करना, आंतरिक समिति (IC) तथा स्थानीय समिति (LC) के गठन की प्रक्रिया, निवारण के उपाय, राहत एवं सहायता से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी आम नागरिकों तक पहुँचाना था।उन्होंने उपस्थित प्रतिभागी महिलाओं और सामाजिक कार्यकताओं के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। इस अवसर पर लोकमान सिंह ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समाज के कमजोर वर्गों – महिलाओं, बच्चों, वृद्धजनों तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के नागरिकों को निःशुल्क कानूनी सलाह, अधिवक्ता एवं विधिक सहायता प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक न्याय की सुलभता सुनिश्चित करना तथा विधिक जागरूकता के माध्यम से नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति सजग बनाना है। डा. प्रथम सिंह ने बच्चों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को न्याय प्राप्त करने का अधिकार है और यदि कोई व्यक्ति किसी सरकारी सेवा या अधिकारी के कार्य से असंतुष्ट है, तो वह अपनी शिकायत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में दर्ज करवा सकता है, जहाँ उसे आवश्यक विधिक सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम में महेश सिंह, लोकमान सिंह, रितिक चौधरी, प्रीति देवी, राजेन्द्र सिंह (प्राचार्य) सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

धूमधाम व उत्साह के साथ आज मनाई जायेगी सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती

अमरोहा(सब का सपना):- जिले की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जानकारी देते हुये कहा कि इस वर्ष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती आज हर वर्ष पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जायेगी। यह स्वतन्त्र भारत के वास्तुकार के रूप में सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान को मान्यता देने और राष्ट्र की सुरक्षा, एकता और अखण्डता को सुनिश्चित करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने का दिन है। उन्होनें कहा कि शासन स्तर पर यह निर्णय लिया गया कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती आज राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में अत्यन्त भव्यता के साथ गरिमापूर्वक आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर देश की एकता और अखण्डता के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जायेगा और जनपद में राष्ट्रीय एकता के संदेश को फैलाने के लिए, समाज

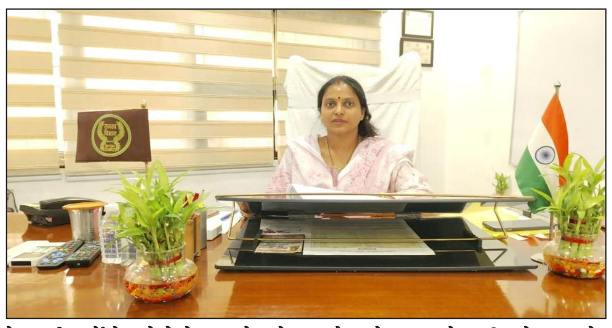

के सभी वर्गों के लोगों के सहयोग से उचित स्थानों पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन कराया जाऐगा। उन्होनें कहा कि इस वर्ष सरदार वल्लभभाई पटेल, जिन्हें भारत के लौह पुरुष के रूप में याद किया जाता है, की 150वीं जयन्ती के महत्वपूर्ण अवसर पर उनकी चिरस्थायी विरासत का सम्मान करने और एकता, देशभक्ति और सेवा के उनके आदर्शों को सुदृढ़ करने के लिए, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पूरे देश में सरदार@150 समारोह का आयोजन किया जायेगा। सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र के प्रति योगदान के सम्बन्ध में सभी नागरिकों व विशेषकर युवाओं में जागरूकता बढाने के लिए पदयात्रा तथा कर्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की जा रही है एकता मार्च एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन व राष्ट्रीय एकता के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रतीक है और एक मजबूत और एकजुट भारत के निर्माण में सरदार वल्लभाई पटेल के दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है। इस अवसर पर जनपद में विभिन्न स्थानो पर विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, एन०सी०सी० केडेट्स, स्काउट्स गाईड्स आदि द्वारा पद यात्रा का आयोजन, पदयात्रा जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में ज्योतिबाफूले चौराहे कलेक्ट्रेट तक आयोजित की जायेगी और तिगरी मेला क्षेत्र में सेक्टर-1 से सेक्टर-8 तक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जायेगा। स्वदेशी मेलों का आयोजन व नशा मुक्ति अभियान का भी आयोजन किया जायेगा। अशासकीय विद्यालयों (चिकित्सा जनपद में समस्त शासकीय एवं प्राथमिक/उच्च प्राथमिक/ माध्यमिक तथा महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों शिक्षा/प्राविधिक शिक्षा/कृषि शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षा सहित) में सरदार पटेल की विरासत पर वाद-विवाद /सेमिनार एवं खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन व निबन्ध प्रतियोगिताएं पॉडकास्ट /प्रश्नोत्तरियों व राष्ट्रीय रील प्रतियोगिताओं आदि का किया जायेगा। उक्त कार्यों को सम्पन्न कराने के लिये नोडल अधिकारियों को भी नामित किया गया है।

धनौरा क्षेत्र में चक्की के पटे की चपेट में आने से 35 वर्षीय महिला की मौत

हादसे में महिला का सिर धर से अलग,परिवार में चीख पुकार

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के एक गांव में आटा चक्की पर आटा पीस रही महिला की पटे में आने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि इस हादसे में महिला का सिर धड़ से अलग हो गया। हादसा होते ही परिवार में चीख पुकार मच गई और पूरे गांव में मातम छा गया। वहीं सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने परिवार की सहमति से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बता दें कि दिल दहला देने वाली यह पूरी घटना मंडी धनौरा थाना क्षेत्र के कलाली गांव की है जहां गुरुवार की सुबह आटा चक्की पर आटा पीस रही 35 वर्षीय महिला मनोज देवी की अचानक पटे की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना

भयानक था कि इस हादसे में महिला का सिर धड़ से अलग हो गया और दो टुकड़ों में बट गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि मृतक महिला का पति नरेंद्र खेती किसानी के साथ गांव में आटा चक्की और परचून की दुकान चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण करता है, जिस समय उसकी पत्नी के साथ यह हादसा हुआ तो उस समय नरेंद्र अपने खेत पर गया हुआ था ,नरेंद्र के बच्चे अंश और लवली दुकान के बाहर बैठे थे और मनोज देवी चक्की पर आटा पीस रही थी तभी अचानक मनोज देवी का दुपट्टा चक्की पर चल रहे पटे की चपेट में आ गया जिससे मनोज देवी के साथ यह भयानक हादसा हो गया। यह हादसा इतना भयानक था कि महिला मनोज देवी का सिर धड़ से अलग होकर दो हिस्सों में बट गया। हादसा होते ही परिवार में चीख पुकार मच गई और पूरे गांव में मातम छा गया। वहीं सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने परिवार की सहमति से महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है शव को परिवार की सहमति पर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, पूरे गांव में इस हृदयविदारक घटना से शोक की लहर दौड़ गई है साथ ही परिवार का भी बुरा हाल है।

सखी वन स्टाफ सेंटर की टीम ने महिलाओं व बच्चों को किया जागरूक

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में तिगरी गंगा मेले में सखी वन स्टाफ सेंटर और महिला कल्याण विभाग की टीम ने महिलाओं व बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण अभियान चलाया। इस अवसर पर हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ विमेन (DHW) और सखी वन स्टॉप सेंटर (OSC) की संयुक्त टीम ने मेले में पहुंचकर हजारों महिलाओं व युवतियों को लक्षित कर पंपलेट वितरित किए। इन पंपलेटों के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्य रूप से मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना पर जोर दिया गया, जो बालिकाओं के जन्म से उच्च शिक्षा तक वित्तीय सहायता प्रदान करती है। टीम ने महिलाओं को घरेलू हिंसा, यौन

उत्पीड़न और अन्य मुद्दों पर त्वरित सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबरों का प्रचार किया। महिला हेल्पलाइन 1090 (महिलाओं के लिए विशेष), चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 (बच्चों की सुरक्षा) और महिला हेल्पलाइन 181 पर कॉल करने की सलाह दी गई। आपातकालीन चिकित्सा के लिए 102 (प्रसव संबंधी) और 108 (सामान्य एम्बुलेंस) सेवाओं का भी उल्लेख किया गया। सखी केंद्र के माध्यम से पीड़ित महिलाएं बिना किसी भेदभाव के मदद पा सकती हैं। इसी प्रकार, चाइल्ड हेल्पलाइन के कानूनी पहलुओं पर चर्चा की गई, जिसमें बाल श्रम, शोषण और शिक्षा के अधिकारों की रक्षा शामिल है। अभियान के दौरान स्थानीय महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कई ने योजनाओं के लिए आवेदन करने की इच्छा जताई।यह अभियान मिशन शक्ति का हिस्सा है, जो महिलाओं व बालिकाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित है। मेले के आयोजन के बीच यह प्रयास सराहनीय रहा, क्योंकि यहां पहुंचने वाली महिलाओं को सीधे लाभ मिला।

अमरोहा सदर तहसील क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग पर बुलडोजर की कार्रवाई, कई प्लॉट ध्वस्त

अमरोहा (सब का सपना):- जिला प्रशासन ने गुरुवार दोपहर सदर तहसील क्षेत्र के तकिया मोती शाह में अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाकर कई प्लॉट ध्वस्त कर दिए गए, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। यह अभियान जिला अधिकारी निधि गुप्ता और उप जिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे के निर्देशन में संपन्न हुआ। मौके पर नायाब तहसीलदार रूपक सिंह, विनियमित क्षेत्र के जूनियर इंजीनियर तथा तहसील प्रशासन की पूरी टीम उपस्थित रही। नायाब तहसीलदार रूपक सिंह ने बताया कि उक्त क्षेत्र में बिना किसी अनुमति के कृषि भूमि को काटकर अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी। इसकी लगातार शिकायतें प्रशासन को मिल रही थीं। उन्होंने चेतावनी दी कि जनपद में कहीं भी अवैध प्लॉटिंग या निर्माण कार्य पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि कृषि भूमि का दुरुपयोग रोकना प्राथमिकता है।सूत्रों से पता चला है कि सदर तहसील के अन्य इलाकों में भी अवैध प्लॉटिंग की गतिविधियां चल रही हैं, जिन पर जल्द ही बुलडोजर चलाने की तैयारी है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का जोरदार स्वागत किया है। उन्होंने अवैध कालोनाइजरों पर और सख्त कदम उठाने की मांग की, ताकि भूमि माफिया पर लगाम लगे और किसानों की जमीन सुरक्षित रहे।यह कार्रवाई जिले में अवैध निर्माण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि कोई भी प्लॉटिंग या निर्माण बिना अनुमति के न करें, वरना कानूनी परिणाम भुगतने पड़ेंगे। इससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद है।

गलत ट्रांजेक्शन से खोए 11 हजार रुपये साइबर पुलिस ने दिलाए वापस

हयातनगर /संभल (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी जरीफ अहमद की प्लाईवुड दुकान पर हुई गलती से दूसरे खाते में चले गए 11 हजार रुपये साइबर सेल की त्वरित कार्रवाई से वापस मिल गए। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में साइबर टीम ने मामले की जांच कर विपक्षी से राशि दिलाई। घटना 30 अगस्त की है। जरीफ अहमद पुत्र लियाकत अली (निवासी कस्बा हयातनगर) अपनी दुकान पर ग्राहक को प्लाईवुड बेच रहे थे। पेमेंट के दौरान गलती से 11 हजार रुपये राहुल पुत्र रामनारायण (निवासी मौहल्ला सराय, कस्बा गुन्नौर) के खाते में ट्रांसफर हो गए। जरीफ ने तुरंत एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच हयातनगर थाने के साइबर प्रभारी उप निरीक्षक दिनेश कुमार ने अपनी टीम के साथ की। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई, एएसपी (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा (नोडल साइबर क्राइम), अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह और एएसपी/क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक कुमार भाटी के मार्गदर्शन में जांच आगे बढ़ी। जांच में पता चला कि राशि गुन्नौर निवासी राहुल के खाते में गई थी। साइबर टीम की सख्ती के बाद राहुल ने पीड़ित जरीफ अहमद को 11 हजार रुपये वापस कर दिए। पुलिस ने साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिए इस कार्रवाई को सराहनीय बताया। पुलिस का कहना है कि ऐसे मामलों में तुरंत एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि राशि जल्द वापस हो सके।

बहजोई में बाल श्रम के खिलाफ बड़ा जागरूकता अभियान, 12 नाबालिग बच्चे रेस्क्यू

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के आदेश पर अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा और क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार के निर्देश में थाना एएचटी टीम ने बहजोई थाना क्षेत्र में बाल श्रम के विरुद्ध व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। अभियान में श्रम विभाग और एनजीओ 'जस्ट राइट' की टीम भी शामिल रही। अभियान के तहत बहजोई कस्बे में 20 प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इस दौरान 10 निरीक्षण किए गए और 12 नाबालिग बच्चों को रेस्क्यू कर उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया। थाना एएचटी के निरीक्षक सत्य विजय सिंह, उपनिरीक्षक बाबू राम सैनी, कांस्टेबल अमित कुमार, नवीन कुमार, चालक मयंक तथा श्रम प्रवर्तन अधिकारी मोहम्मद आजम की अगुवाई में टीम ने प्रत्येक प्रतिष्ठान मालिक को बाल श्रम निषेध के प्रति जागरूक किया। उन्हें चेतावनी दी गई कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को काम पर रखना दंडनीय अपराध है। साथ ही, इमरजेंसी सहायता के लिए शासन द्वारा जारी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी गई। एनजीओ 'जस्ट राइट' के प्रभारी गौरी शंकर ने भी टीम के साथ मिलकर अभियान को सफल बनाया। गोष्ठी में विचार-विमर्श और दिशा-निर्देश अभियान के बाद पुलिस लाइन बहजोई के सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें बाल कल्याण समिति बहजोई के अध्यक्ष, संयुक्त निदेशक अभियोजन अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, सहायक श्रम आयुक्त, किशोर न्याय बोर्ड के अध्यक्ष, प्रभारी आरपीएफ/जीआरपी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला विद्यालय निरीक्षक, वन स्टॉप सेंटर बहजोई तथा जनपद संभल के सभी बाल कल्याण अधिकारी/कर्मचारी शामिल हुए। गोष्ठी में बाल श्रम, बाल विवाह, POCSO एक्ट, अनैतिक व्यापार और भिक्षावृत्ति को रोकने पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। अपर पुलिस अधीक्षक ने सभी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिले के कार्यक्रम अधिकारी, प्रोबेशन अधिकारी और बेसिक शिक्षा अधिकारी को अपने स्तर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर और अध्यापकों से बाल श्रम एवं बाल विवाह रोकथाम के लिए गोष्ठियां आयोजित कर जागरूकता फैलाने का अनुरोध किया गया। यह अभियान बाल अधिकारों की रक्षा और समाज में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है। पुलिस और प्रशासन की यह मुहिम आगे भी जारी रहेगी।

सम्भल पुलिस ने आपराधिक कानूनों की जानकारी देकर नागरिकों को किया जागरूक

सम्भल(सब का सपना):- भारतीय न्याय व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाले तीन नए कानूनों—भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए)—के प्रभावी कार्यान्वयन को मजबूत बनाने के लिए सम्भल पुलिस ने व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में संचालित यह अभियान सार्वजनिक स्थानों, शैक्षणिक संस्थानों, स्कूलों, कॉलेजों और विद्यालयों में जोर-शोर से चलाया गया। अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर चौपाल आयोजित की गईं, जिसमें नागरिकों, छात्र-छात्राओं और युवाओं को नए आपराधिक कानूनों—बीएनएस 2023, बीएनएसएस 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023—के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। शून्य एफआईआर (जीरो एफआईआर) की सुविधा ई-एफआईआर की प्रक्रिया समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करने वाले प्रावधान महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़े विशेष नियम नए अपराधों की परिभाषा एवं दंड प्रौद्योगिकी और फोरेंसिक विज्ञान का उपयोग डिजिटल साक्ष्यों की मान्यता पीड़ित-केंद्रित न्याय प्रक्रिया पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ये नए कानून औपनिवेशिक काल की आईपीसी, सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को पूरी तरह प्रतिस्थापित करते हैं। इनमें आधुनिक तकनीक, पारदर्शिता, तेज जांच और संवेदनशीलता को प्राथमिकता दी गई है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने कहा यह अभियान केवल कानून की जानकारी तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों को सशक्त बनाने और कानून के प्रति विश्वास जगाने का माध्यम है। नए कानून न्याय को त्वरित, पारदर्शी और पीड़ित-केंद्रित बनाएंगे। आम जनता को नए कानूनों से परिचित कराना कानून प्रवर्तन एजेंसियों और नागरिकों के बीच संवाद बढ़ाना समाज में कानून के प्रति जागरूकता और विश्वास को मजबूत करना सम्भल पुलिस का यह एनसीएल जागरूकता अभियान 2.0 एक सामूहिक दायित्व की तरह आगे बढ़ रहा है, जिससे हर नागरिक न्याय प्रक्रिया का सक्रिय हिस्सा बन सके।

गोपाष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया, गौशालाओं में हुआ गौपूजन

असमोली/संभल(सब का सपना):- जनपद के असमोली ब्लॉक में गोपाष्टमी का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। गौ सेवा आयोग के सदस्य दीपक गोयल के नेतृत्व में दोनों गौशालाओं—तलवार और घंसूरपुर—में गोपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर गायों को फूल माला पहनाई गई तथा गुड़ खिलाकर विधिवत पूजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद संभल के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह, पशु चिकित्सालय सिरसी से डॉ. अवधेश पटेल तथा पशुधन प्रसार अधिकारी नृपेंद्र नंदन शर्मा सहित गौशाला के सचिव, प्रधान और समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। गौ सेवा आयोग सदस्य दीपक गोयल ने गौशालाओं की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देते हुए निर्देश दिए कि भूसा, चोकर और हरा चारा प्रतिदिन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही साफ-सफाई पर जोर देते हुए गौवंश को सुपुर्दगी में देने की प्रक्रिया को मजबूत करने का आह्वान किया। यह आयोजन गौ सेवा और सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम रहा।

इण्टर कालेज जौरा बाजार की छात्रा ऋतिका श्रीवास्तव ने विज्ञान प्रदर्शनी में किया जिला स्तर पर प्रथम स्थान हासिल

संवाददाता
कुशीनगर । सांसद शशांक मणि त्रिपाठी द्वारा आयोजित मॉडल रॉकेट्री कैनसेट प्रक्षेपण प्रतियोगिता के दौरान हुई जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में इंटरमीडिएट कालेज जौरा बाजार की छात्रा ऋतिका श्रीवास्तव, पुत्री सुनील श्रीवास्तव (निवासी जौरा बाजार) ने अपने नवाचार ह्यस्मार्ट टॉयलेटह्ल मॉडल के लिए पूरे जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य रामू चौधरी ने इस उपलब्धि पर कहा कि ऋतिका की सफलता विद्यालय और क्षेत्र दोनों के लिए गर्व का विषय है। उनका ह्यस्मार्ट टॉयलेटह्ल मॉडल स्वच्छता और आधुनिक तकनीक का सुंदर संगम है जो अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगा। पुरस्कार जिला विद्यालय निरीक्षक श्रवण कुमार गुप्त एवं जिला समन्वयक माध्यमिक शिक्षा विष्णु प्रभाकर पांडेय द्वारा प्रदान किया गया। यह मॉडल विद्यालय के विज्ञान शिक्षक अंशुमान चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में तैयार किया गया था। रितिका की सफलता पर विद्यालय प्रबंधक पं. भोला प्रसाद त्रिपाठी, उपप्रधानाचार्य विजय प्रकाश उपाध्याय, विपिन बिहारी, प्रधान लिपिक सुबोध पांडेय, शिवेंद्र पांडे, सुनील दत्त तिवारी, अशोक तिवारी, सिम्पल उपाध्याय, सुमन द्विवेदी, अनुराधा सिंह, शिवप्रकाश, त्रिलोकी, ओम प्रकाश सहित समस्त शिक्षकों और छात्रों ने खुशी व्यक्त की। इसके अलावा क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों पूर्व प्रधानाचार्य दयाशंकर मिश्र, हरिशंकर उपाध्याय, प्रधानाचार्य अरविंद मिश्र, गोविंद लाल श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार गुरुदत्त उपाध्याय, जिला खांडसारी अधिकारी सुमंत यादव, ई. अजय उपाध्याय, जीएसटी अधिकारी आशुतोष पांडेय, मनोज मिश्रा, कन्हैया लाल सरस, बनारसी दास खरवार, कुलदीप उपाध्याय, विकास चतुर्वेदी, नारद उपाध्याय, नृपेश उपाध्याय, आमोद उपाध्याय, रमेश यादव, राजन मिश्रा, हिमांशु शेखर श्रीवास्तव, आनंद मिश्रा आदि ने छात्रा को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बहजोई में छात्र-छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली, डीएम ने दिखाई हरी झंडी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं नारी स्वावलंबन की थीम पर कलक्ट्रेट परिसर से एक विशाल रैली निकाली गई। रैली में राजकीय इण्टर कॉलेज लहरावन, हीरा देवी तोताराम कन्या इण्टर कॉलेज बहजोई तथा भगतजी इंटरनेशनल स्कूल बहजोई के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली कलक्ट्रेट परिसर से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए हीरा देवी तोताराम कन्या इण्टर कॉलेज बहजोई में समाप्त हुई। छात्र-छात्राओं ने नारे लगाते हुए महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता पर आधारित प्लेकार्ड व बैनर थामे रखे, जिससे आमजन में जागरूकता का संदेश फैला। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार, राजकीय इण्टर कॉलेज लहरावन के प्रधानाचार्य सीपी सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। अभियान के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

डीएम ने निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का फीता काटकर किया शुभारंभ

अमरोहा (सब का सपना):- गंगा मेला तिगरी में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने रजत सिंह खालसा वेलफेयर ट्रस्ट के सौजन्य से सिंह साहब होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल गुलड़िया अमरोहा के तत्वावधान में आयोजित निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर एवं दवा वितरण शिविर का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस मौके पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने ट्रस्ट की ओर से मरीज के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायाजा लिया। सर हैनिमैन होम्योपैथी लैब गुलड़िया द्वारा निर्मित होम्योपैथिक की विभिन्न दवाइयों का भी अवलोकन किया। साथ ही सिंह साहब होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की ओर से शिविर में बनाए गए हर्बल गार्डन को भी देखकर व्यवस्थाओं की तारीफ की। इस अवसर पर जिलाधिकारी में आईपीडी और ओपीडी की व्यवस्थाओं को भी अच्छा बताया। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से इस शिविर में मरीज को और जरूरतमंदों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी ।स अवसर पर रजत सिंह खालसा वेलफेयर ट्रस्ट की अध्यक्ष नीरज कौर ने जिलाधिकारी का स्वागत किया। इस अवसर पर सिंह साथ होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल गुलड़िया के एमडी डॉ प्रवेंद्र सिंह पंघाल डॉ दिव्यांशी पंघाल डॉक्टर रजत सिंह डॉक्टर दीपक अग्रवाल डॉ डॉक्टर प्रियांशी पंघाल गिल दीपेंद्र गिल महावीर सिंह डॉक्टर सुनील यादव धर्मेंद्र सिंह अमित शर्मा अल्पना औलख यशपाल सिंह शांति देवी राजवीरी कौर अमित यादव कमल हर्ष अमिता आर्येंद्र आर्य शिजरा आदि मौजूद रहे।

केंद्र सरकार ने हरियाणा में मेट्रो विस्तार को दी मंजूरी, इस लाइन का होगा निर्माण

हरियाणा: केंद्र सरकार ने फरीदाबाद में मेट्रो विस्तार और नई ट्रेन परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में गुरुग्राम से फरीदाबाद और फरीदाबाद से जेवर एयरपोर्ट तक रैपिड मेट्रो लाइन तथा बल्लभगढ़ से पलवल तक मेट्रो रेल विस्तार को स्वीकृति दी गई।

इसके अलावा, सराय काले खां से अलवर तक ह्यनमो भारत ट्रेनह्व चलाने की भी मंजूरी दी गई। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर को इस निर्णय की जानकारी दी। कृष्णपाल गुर्जर फिलहाल बिहार चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं और 4 नवंबर को दिल्ली पहुंचेंगे।

कृष्णपाल गुर्जर की प्रतिक्रिया

कृष्णपाल गुर्जर ने फरीदाबाद क्षेत्र के लिए इस बड़ी उपलब्धि पर गुर्जर ने प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं के लिए उन्होंने शहरी विकास मंत्री से कई बार विस्तृत चर्चा की थी।परियोजनाओं का महत्व गुर्जर के पिछले 10 साल के कार्यकाल में फरीदाबाद-बल्लभगढ़

में मेट्रो और दिल्ली-फरीदाबाद-नोएडा सहित दिल्ली-आगरा की सड़क कनेक्टिविटी में सुधार हुआ है। अब दिल्ली और जेवर एयरपोर्ट की सीधी मेट्रो कनेक्टिविटी और बल्लभगढ़ से पलवल मेट्रो कनेक्टिविटी फरीदाबाद के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी। 22 स्टेशन होंगे तय

गाजियाबाद से जेवर एयरपोर्ट तक भी नमो भारत ट्रेन और मेट्रो का प्रस्ताव है। गाजियाबाद के सिद्धार्थ विहार से एयरपोर्ट तक 72.2 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड ट्रैक बनाया जाएगा, जिसमें 22 स्टेशन होंगे। मेट्रो और नमो भारत ट्रेन दोनों एक ही ट्रैक पर चलेंगी। इस परियोजना की ऊ्नफकेंद्र सरकार को भेज दी गई है। इसके अतिरिक्त, दिल्ली के सराय काले खां से बनारस तक जाने वाली हाईस्पीड बुलेट ट्रेन का स्टेशन भी एयरपोर्ट के त्र्कळ्उ में बनाया जाएगा। इस प्रस्ताव को ऊ्नफ में शामिल करने के लिए सहमति हो गई है।

हरियाणा सरकार का बड़ा फैसला, 68 डॉक्टरों की सेवाएं समाप्त

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार ने लंबे समय से अनुपस्थित चल रहे डॉक्टरों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। स्वास्थ्य विभाग ने 2017 से लगातार ड्यूटी से गायब चल रहे 68 मेडिकल अधिकारियों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं। ये डॉक्टर नियुक्ति के कुछ समय बाद बिना किसी सूचना के ड्यूटी से अनुपस्थित हो गए थे। जानकारी के अनुसार विभाग ने कई बार इनसे संपर्क करने और जवाब मांगने की कोशिश की, लेकिन किसी ने भी प्रतिक्रिया नहीं दी। आखिरकार, स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने इन डॉक्टरों की सेवाएं समाप्त करने के आदेश जारी कर दिए हैं। अब उनकी जगह नए डॉक्टरों की नियुक्ति के लिए विभाग जल्द विज्ञापन जारी करेगा।

सूत्रों के अनुसार, जिन डॉक्टरों पर कार्रवाई हुई है, वे सिविल अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (PHC) और उपमंडल अस्पतालों (SDH) में कार्यरत थे। इनमें से एक डॉक्टर 2017 से, दस डॉक्टर 2018 से, दो 2019 से, दस 2020 से, आठ 2021 से, सोलह 2022 से, सत्रह 2023 से और चार डॉक्टर 2024 से ड्यूटी पर नहीं पहुंचे थे। इनकी अनुपस्थिति के कारण कई स्वास्थ्य केंद्रों में सेवाएं प्रभावित हो रही थीं और नई नियुक्तियों में भी बाधा आ रही थी। इस नियम के तहत की गई कार्रवाईस्वास्थ्य विभाग ने सिविल चिकित्सा सेवाएं (श्रेणी-1) नियम 2014 के नियम 10 के तहत यह कार्रवाई की है। विभाग का कहना है कि यह कदम स्वास्थ्य सेवाओं में अनुशासन और जवाबदेही बनाए रखने के लिए जरूरी था।

नौकरी छोड़ने की ये है बड़ी वजह

डॉक्टरों के ड्यूटी छोड़ने के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं, अन्य राज्यों की तुलना में कम वेतन, पदोन्नति के सीमित अवसर, ग्रामीण क्षेत्रों में रिहायश की कमी, कार्य परिस्थितियों की असुविधा, मेडिको-लीगल मामलों में उलझनें और उच्च अध्ययन के लिए एनओसी न मिल पाना जैसी समस्याएं इसमें प्रमुख हैं। विभाग ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में ऐसी लापरवाही पर और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल से लौट रहे छात्र पर चाकू से किया जानलेवा हमला, पुलिस ने 24 घंटे में दोनों नाबालिगों को पकड़ा

फरीदाबाद : फरीदाबाद की डबुआ कालोनी में स्कूल से घर लौट रहे नाबालिग छात्र पर 2 नाबालिग किशोरों ने चाकू से हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया और करीब आधा किलोमीटर चलकर वापिस स्कूल लौट गया। वहां स्कूल स्टाफ व टीचर्स ने उसको प्राथमिक उपचार दिया। यह सारी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है।

जानकारी के अनुसार घायल बच्चे की मां ने बताया कि जब यह घटना हुई तब वह और उनके पति ड्यूटी पर गए थे। उन्हें सूचना मिली कि उनके बच्चे को किसी ने चाकू मारा है। उन्होंने कहा कि स्कूल स्टाफ की वजह से उनका बेटा खतरे से बाहर है। घायल छात्र की मां ने डबुआ थाने में शिकायत दे दी थी जिसके चलते पुलिस ने मात्र 24 घंटे के भीतर हमला करने वाले दोनों नाबालिगों को अभिरक्षा में ले लिया। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि पीड़ित की मां ने पुलिस को शिकायत दी थी कि 28 अक्टूबर को उसका बेटा स्कूल से लौट रहा था तो 2 नाबालिग किशोरों ने अचानक उस पर चाकू से हमला कर दिया। इस शिकायत पर थाना डबुआ पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि पीड़ित और दोनों आरोपी किशोर एक ही स्कूल में पढ़ते हैं। स्कूल में आपसी कहासुनी और विवाद के चलते यह झगड़ा बढ़ गया था। पुलिस ने बताया कि जब पीड़ित स्कूल से बाहर आया तो कहासुनी के बाद एक किशोर ने जेब से चाकू निकालकर उस पर वार कर दिया, जिससे छात्र घायल हो गया। पुलिस ने सूचना मिलते ही घटना स्थल का निरीक्षण किया और सक्रियता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। अब दोनों को विधि संगत प्रक्रिया के तहत किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया जाएगा।

फतेहाबाद के दौरे पर रहेंगे सीएम नायब सैनी, कल रन फॉर यूनिटी को दिखाएंगे हरी झंडी

फतेहाबाद : सीएम नायब सैनी आज शाम से फतेहाबाद के दौरे पर रहने वाले हैं। वह आज शाम 5 बजे फतेहाबाद जिले में पहुंचेंगे, वह हेलिकॉप्टर से आएंगे। पुलिस लाइन में बने हेलीपैड पर उनका हेलिकॉप्टर उतरेगा। यहां से सीधे सीएम भूना रोड स्थित नए रेस्ट हाउस जाएंगे। जहां पर पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। सीएम यहां कार्यकताओं व अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे। इसके अलावा सीएम कल यानी 31 अक्टूबर की सुबह 7 बजे रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाएंगे। इस दौड़ में 25-30 हजार प्रतिभागी भाग लगे। दूसरी ओर सीएम सुरक्षा को लेकर जिले में पुख्ता इंतजाम किए गए है। रन फॉर यूनिटी में किसी प्रकार की रुकावट ना हो। इसके लिए पुलिस प्रशासन ने रूट डायवर्ट किए है। शहर में 17 पुलिस नाके लगाएं गए है। वहीं, सीएम के आगमन से करीब 3 घंटे पहले ही गुरुवार दोपहर 2 बजे से फतेहाबाद शहर में जीटी रोड से वाहन नहीं जा सकेंगे। पुलिस प्रशासन ने रूट डायवर्ट कर इन वाहनों को नेशनल हाईवे और मिनी बाईपास से निकालने की योजना बना दी है। सीएम कल 31 अक्टूबर की सुबह 7 बजे रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाएंगे।

नौकरियां नहीं मिलने के कारण प्रदेश बेरोजगारी में टॉप पर', हुड्डा ने सरकार पर जमकर साधा निशाना

जींद : हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बीजेपी सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि बीजेपी सरकार ने हर साल 2 लाख नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन अब तक नौकरियां नहीं दे पाईं। इससे कारण ही हरियाणा आज बेरोजगारी में नंबर-1 पर पहुंच गया है। लाडो लक्ष्मी योजना पर हुड्डा ने कहा कि यह योजना सिर्फ हरियाणा की महिलाओं के साथ मजाक किया गया है। सभी महिलाओं को 2100 रुपये देने का वादा था, लेकिन बाद में गरीबी रेखा (बीपीएल) की शर्त लगा दी गई। पहले 1.80 लाख परिवारों के दायरे की बात हुई, फिर योजना सिर्फ.1 लाख परिवारों तक सीमित कर दी गई। पूर्व मुख्यमंत्री ने गृह मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस के राज में हरियाणा सुरक्षित था, लेकिन अब अपराध चरम पर है। हाल ही में कांग्रेस नेत्री हिमानी नरवाल हत्याकांड का ज़िक्र करते हुए उन्होंने एसआईटी जांच की मांग की। बुधवार को नेता प्रतिपक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा लक्ष्य मिल्क प्लांट के मालिक बलजीत रेढू की बेटी की शादी में पहुंचे थे।

सुपरवाइजर ने महिला सफाई कर्मियों से मांगा पीरियड्स का सबूत, 3 कर्मचारी पर एफआईआर

हरियाणाः हरियाणा के रोहतक स्थित महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी (एमडीयू) में सुपरवाइजर द्वारा 4 महिला सफाई कर्मचारियों से पीरियड्स का सबूत मांगने का मामला सामने आया है। सुपरवाइजर ने कथित तौर पर कर्मचारियों के कपड़े उतरवाकर सैनिटरी पैड की जांच करवाई। इस घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने सुपरवाइजर विनोद कुमार और वितेंदर कुमार समेत 3 कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया और जांच कमेटी गठित की। वहीं, पुलिस ने भी तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। मामला तब सामने आया जब 26 अक्टूबर को राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष एमडीयू के दौरे पर थे। सुपरवाइजर ने महिला कर्मचारियों की देरी का कारण जानने के लिए उनसे ऐसा करने को कहा। चार महिला सफाई कर्मचारियों पर देरी से आने पर नाराजगी जताई। महिला कर्मियों ने बताया कि वे मासिक धर्म की समस्या के कारण देर से पहुंचीं। इस पर सुपरवाइजर आपा खो बैठा और उनसे पीरियड्स का प्रमाण मांगा और अन्य महिला कर्मी को बुलाकर सफाईकर्मियों के कपड़े उतरवाकर सैनिटरी पैड चेक करवाए। इसी घटना से परिसर में हंगामा मच गया। मामले के बढ़ने पर एमडीयू प्रशासन ने सैनिटरी सुपरवाइजर विनोद कुमार और वितेंदर कुमार समेत एक अन्य कर्मचारी को तुरंत सस्पेंड कर दिया और जांच कमिटी गठित की। साथ ही पीजीआईएमएस पुलिस स्टेशन में दो सुपरवाइजर और एक कर्मचारी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कर्मचारियों ने घटना की फोटो और वीडियो हरियाणा राज्य महिला आयोग को भेजी। राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने एमडीयू के वीसी और रोहतक एसपी को पत्र जारी कर 5 दिन में पूरी रिपोर्ट भेजने का आदेश दिया। आयोग ने इसे गंभीर मामला बताया।

भिवानी की बेटी बनीं आईएएस, हरियाणा सिविल सेवा में भी किया था बेहतरीन प्रदर्शन

भिवानी : सफलता उन्हीं को मिलती है, जिनके हौसले बुलंद हों...यह कहावत सटीक साबित की है भिवानी की 26 वर्षीय स्वाति अग्रवाल ने। ऑटोमोबाइल कारोबारी परिवार से ताल्लुक रखने वाली स्वाति ने संघ लोक सेवा आयोग (युपीएससी) परीक्षा में 91वीं रैंक हासिल कर अपने परिवार और जिले का नाम गौरवान्वित किया है। स्वाति वर्तमान में 2024 बैच की हरियाणा सिविल सेवा अधिकारी हैं और चंडीगढ़ मुख्यालय में कार्यरत हैं। इससे पहले वे महेंद्रगढ़ में बीडीपीओ के रूप में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। एचसीएस अधिकारी बनने के बाद उन्होंने आईएएस बनने का लक्ष्य तय किया था, जिसे उन्होंने चौथे प्रयास में साकार कर दिखाया। स्वाति की प्रारंभिक शिक्षा भिवानी के हालुवासिया विद्या विहार स्कूल में हुई, जबकि उच्च शिक्षा उन्होंने दिल्ली से पूरी की। जवाहर गली नंबर-1, कृष्णा कॉलोनी की निवासी स्वाति 3 भाई-बहनों में दूसरे स्थान पर हैं। उनके पिता सुशील अग्रवाल ऑटो मार्केट में ऑटोमोबाइल व्यवसाय से जुड़े हैं। परिवार में बड़ी बहन आदिती और छोटा भाई गौरव अग्रवाल है। एचसीएस में हासिल की थी 35वीं रैंक स्वाति के पिता सुशील अग्रवाल बताते हैं कि स्वाति ने आठवीं कक्षा में ही आईएएस बनने का सपना देखा था। परिवार ने उसकी लगन को देखते हुए उसे दिल्ली के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में दाखिला दिलाया। पिछले वर्ष उन्होंने हरियाणा सिविल सेवा परीक्षा में 35वीं रैंक हासिल की थी, जिसके बाद वे प्रशासनिक सेवा में शामिल हुईं। अब चौथे प्रयास में आईएएस बनने के साथ उन्होंने अपने सपनों को हकीकत में बदल दिया है।

धीरेंद्र शास्त्री बोले- वो 50% हुए, तो ब्रज में सिर्फ टोपी वाले ही दिखेंगे, अगले 20 सालों में बदल जाएगा देश का भूगोल

भोपाल/होडलः बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आज वो 20 प्रतिशत हैं, और आप 9 राज्यों में अल्पसंख्यक हो चुके हैं। जिस दिन वो 50 प्रतिशत हो जाएंगे, उस दिन आपके ब्रज में भी वही टोपी वाले दिखाई देंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी समुदाय का नाम नहीं लिया, क्योंकि मैं खुद भी टोपी लगाता हूं।धीरेंद्र शास्त्री बुधवार को हरियाणा के होडल में गोपाष्टमी कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि भारत और सनातन संस्कृति को बचाना है, तो जातिवाद और भेदभाव से ऊपर उठकर सभी को एकजुट होकर सनातनी बनना होगा। हमें छेड़ा गया है, अब छोड़ेंगे नहीं- बागेश्वर बाबा

कार्यक्रम के दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि कुछ लोग उनकी पदयात्रा रोकने के लिए कोर्ट जाने की धमकी दे रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा उन्हें पता ही नहीं कि हम बहुत टेढ़े आदमी हैं, उन्हें हमें छेड़ना नहीं चाहिए था। अब जब छेड़ दिया है, तो हम छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने दावा किया कि आने वाले 15 से 20 सालों में भारत की जियोग्राफी बदल जाएगी और भारतीय लोग अपनी संस्कृति बचाने के लिए संघर्ष करते नजर आएंगे। धीरेंद्र शास्त्री ने लोगों को 2012 के कोसीकलां दंगे की याद दिलाई और कहा तुम्हारे ही कोसीकलां में हिंदुओं को निर्वस्त्र कर सड़कों पर दौड़ाया गया था। हम अपनी जान हथेली पर रखकर तुम्हारे लिए निकले हैं। दरअसल, आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक दामोदर यादव ने

ग्वालियर में धीरेंद्र शास्त्री पर आडंबर और पाखंड फैलाने का आरोप लगाया था।

यादव ने कहा कि शास्त्री की घोषित यात्रा का उद्देश्य हिंदू राष्ट्र बनाना है, जो भारत के धर्मनिरपेक्ष संविधान के खिलाफ है। उन्होंने इसे राष्ट्रद्रोही कृत्य बताया और राष्ट्रपति को पत्र लिखने व भोपाल में आंदोलन की चेतावनी दी है।

खबर एक्सप्रेस

कपास में इतने प्रतिशत से अधिक नमी मिली तो नहीं खरीदेगी सरकार

चंडीगढ़ : राज्य सरकार ने कपास खरीद को लेकर नई व्यवस्था लागू की है। अब 12 प्रतिशत से अधिक नमी वाली कपास सरकारी खरीद के दायरे में नहीं आएगी। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर फसल बेचने की सुविधा देने के लिए सरकार ने कपास किसान एप लॉन्च किया है। इस एप के जरिए किसान अपनी फसल से जुड़ी जानकारी सत्यापित कर आसानी से बिक्री प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। राज्य सरकार के अनुसार, यह एप गूगल प्ले स्टोर और एपल आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। किसान अपने मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर दर्ज मोबाइल नंबर से ओटीपी के माध्यम से लॉगिन कर सकते हैं। लॉगिन करने के बाद एप में दिखाई गई कपास बिजाई भूमि की जानकारी को पोर्टल के रिकॉर्ड से मिलाना आवश्यक होगा। सत्यापन पूर्ण होने के बाद किसान निगम के निकटतम खरीद केंद्र पर स्लॉट बुक कर सकते हैं, ताकि उन्हें एमएसपी योजना का लाभ मिल सके। सरकार ने किसानों से अपील की है कि वे कपास की नमी 12% से अधिक न रखें, क्योंकि इससे ऊपर की नमी वाली कपास की खरीद नहीं की जाएगी।

फतेहाबाद के दौरे पर रहेंगे सीएम नायब सैनी, कल रन फॉर यूनिटी को दिखाएंगे हरी झंडी

फतेहाबाद : सीएम नायब सैनी आज शाम से फतेहाबाद के दौरे पर रहने वाले हैं। वह आज शाम 5 बजे फतेहाबाद जिले में पहुंचेंगे, वह हेलिकॉप्टर से आएंगे। पुलिस लाइन में बने हेलीपैड पर उनका हेलिकॉप्टर उतरेगा। यहां से सीधे सीएम भूना रोड स्थित नए रेस्ट हाउस जाएंगे। जहां पर पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। सीएम यहां कार्यकताओं व अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे। इसके अलावा सीएम कल यानी 31 अक्टूबर की सुबह 7 बजे रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाएंगे। इस दौड़ में 25-30 हजार प्रतिभागी भाग लगे। दूसरी ओर सीएम सुरक्षा को लेकर जिले में पुख्ता इंतजाम किए गए है। रन फॉर यूनिटी में किसी प्रकार की रुकावट ना हो। इसके लिए पुलिस प्रशासन ने रूट डायवर्ट किए है। शहर में 17 पुलिस नाके लगाएं गए है। वहीं, सीएम के आगमन से करीब 3 घंटे पहले ही गुरुवार दोपहर 2 बजे से फतेहाबाद शहर में जीटी रोड से वाहन नहीं जा सकेंगे। पुलिस प्रशासन ने रूट डायवर्ट कर इन वाहनों को नेशनल हाईवे और मिनी बाईपास से निकालने की योजना बना दी है। सीएम कल 31 अक्टूबर की सुबह 7 बजे रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाएंगे।

कांग्रेस नेताओं का सद्भाव यात्रा में शामिल नहीं होने पर बीरेंद्र सिंह ने दिया जवाब

चरखी दादरी : पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सहित कई नेताओं की सद्भाव यात्रा में शामिल नहीं होने पर जवाब दिया। उन्होनें कहा कि उनके बेटे पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने राहुल गांधी से विचार-विमर्श के बाद ही सद्भाव यात्रा निकालने का निर्णय लिया है। सद्भाव यात्रा कांग्रेस पार्टी की है और आने वाले 7 महीनों में सभी कांग्रेसी यात्रा में जुड़ जाएंगे। यात्रा में सभी कांग्रेसी जुड़ेंगे भी और जनता के विश्वास पर कांग्रेस सरकार भी बनाएंगे। पूर्व मंत्री बीरेंद्र सिंह चरखी दादरी में पहुंचे और कांग्रेस कार्यकताओं व पदाधिकारियों के साथ सद्भाव यात्रा को लेकर मंथन किया। यात्रा को सफल बनाने के लिए पूर्व मंत्री ने कांग्रेसियों से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता का विश्वास है, भाजपा के खिलाफ कांग्रेस की सद्भाव यात्रा इतिहास बनाएगी। वहीं कहा कि हरियाणा कांग्रेस का संगठन बनाने की प्रक्रिया तेज है और आम कार्यकर्ता को कांग्रेस संगठन में वरियता मिलेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और संघ समाज को धर्म व जाति के नाम पर बांटने का प्रयास कर रहे हैं। भाजपा व संघ की भाईचारा खराब करने की कोशिश यात्रा के माध्यम से फेल करेंगे। उनका बेटा पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह की सद्भाव यात्रा को पार्टी व अन्य सामाजिक संगठनों का सहयोग मिल रहा है। हरियाणा में भाजपा ने भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। यात्रा प्रदेश के सभी 90 हलकों में जाएगी और सरकार की पोल खोलेंगे।

5 एकड़ में पंडाल, 150 गांवों को न्योता... हरियाणा में कांग्रेस एमएलए के बेटे की ग्रैंड शादी, जानिए कौन है दुल्हनिया

भिवानीः हरियाण के भिवानी जिले के लोहारू में कांग्रेस विधायक राजबीर फरटिया के बेटे योगेश फरटिया की शादी समारोह इन दिनों पूरे हरियाणा में चर्चा का विषय बना हुआ है। 30 अक्टूबर को लोहारू में आयोजित प्रीति भोज में हलके के 150 गांवों को चूल्हा न्योता भेजा गया है, यानी प्रत्येक परिवार को पूरे परिवार सहित आमंत्रित किया गया है। लगभग 5 एकड़ में लोहारू की मंडी में विशाल पंडाल लगाया गया है, जिसमें 80 से 90 हजार लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई है। भोज के दौरान सुरक्षा और सेवा व्यवस्था के लिए 5 हजार वेटर और 800 सिक्योरिटी गार्ड तैनात किए गए हैं। स्थानीय पुलिस प्रशासन भी समारोह की सुरक्षा व्यवस्था में शामिल रहेगा।विधायक राजबीर फरटिया ने इस शादी के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत पार्टी के केंद्रीय नेताओं को आमंत्रण भेजा है। इसके अलावा हरियाणा के सभी 90 विधायकों, मंत्रियों और विपक्षी दलों के नेताओं, जिसमें भाजपा विधायकों को भी शामिल किया गया है, को निमंत्रण दिया गया है। शादी की अन्य रस्में गुरुग्राम में 1 नवंबर को संपन्न होंगी। दूल्हा योगेश फरटिया धत्तरवाल कंस्ट्रक्शन कंपनी संभालते हैं। उन्होंने रोड कंस्ट्रक्शन का कोर्स किया है। योगेश फरटिया की शादी जींद के डेयरी कारोबारी बलजीत सिंह रेढू की बेटी तमन्ना रेढू से हो रही है। तमन्ना ने इंग्लैंड से इकॉनॉमिक्स की पढ़ाई की है और वर्तमान में पिता के कारोबार लक्ष्य डेयरी, लक्ष्य स्वीट्स और लक्ष्य होटल्स को संभालने में सहयोग कर रही हैं। तमन्ना दो भाई-बहनों में छोटी हैं। उनका बड़ा भाई अंकित रेढू है। वहीं विधायक राजबीर फरटिया के दो बच्चे है, जिसमें योगेश फरटिया दो भाई-बहनों में बड़े हैं, उनकी बहन की शादी पहले ही हो चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

रियो डी जनेरियो में संगठित अपराध पर पुलिस कार्रवाई में 64 लोगों की मौत

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। रियो डी जनेरियो में संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़े पुलिस ऑपरेशन में 64 लोग मारे गए। इनमें चार पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं। यह कार्रवाई सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन से संबंधित प्रमुख आयोजनों से कुछ दिन पहले हुई है। गवर्नर क्लाउडियो कास्त्रो ने इसे नारकोटिररिज्म का मुकाबला बताया। एलेमाओ और पेन्हा की घनी आबादी वाली बस्तियों में 2,500 सुरक्षाकर्मियों ने मिलकर कार्रवाई की। अब तक 81 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 42 राइफलें जब्त की गई हैं। अधिकारियों ने कहा कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि अभियान अभी जारी है। राज्य सरकार ने यह भी खुलासा किया कि गैंग के सदस्यों ने पुलिस पर ड्रोन से हमला किया, जिसमें विस्फोटक भी थे। रियो अगले सप्ताह सी40 शिखर सम्मेलन और प्रिंस विलियम का अर्थशॉट पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित करेगा।

अमेरिका ने नाइजीरियाई नोबेल विजेता का वीजा किया रद्द

वाशिंगटन, एजेंसी। नाइजीरिया के नोबेल पुरस्कार विजेता लेखक वोल सोयिंका ने दावा किया है कि अमेरिका ने उनका नॉन-इमिग्रेंट वीजा रद्द कर दिया है, जो उन्हें पिछले वर्ष जारी किया गया था। 91 वर्षीय लेखक ने कहा कि उन्हें अमेरिकी यात्रा करनी हो तो अब दोबारा आवेदन करना होगा। सोयिंका ने मंगलवार को पत्रकारों को अमेरिकी वाणिज्य दूतावास (लागोस) की ओर से भेजा गया एक पत्र दिखाया, जिसमें उनसे पासपोर्ट जमा कर वीजा को उपस्थित होकर रद्द करवाने को कहा गया है। यह पत्र 23 अक्तूबर को जारी किया गया था। लेखक ने कहा, अब मेरे पास कोई वीजा नहीं है। जाहिर तौर पर मुझे अमेरिका में प्रवेश से रोक दिया गया है। अगर कोई मुझसे मिलना चाहता है, तो जानता है कि मुझे कहां खोजना है। अमेरिकी दूतावास ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। गौरतलब है कि सोयिंका ने 2016 में डोनाल्ड ट्रंप के पहली बार राष्ट्रपति चुने जाने के विरोध में अपना अमेरिकी ग्रीन कार्ड फाड़कर फेंक दिया था और अमेरिकी स्थायी निवास का त्याग कर दिया था। 1986 में साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले सोयिंका 1990 के दशक के मध्य से अमेरिका की प्रतिष्ठित आईवी लीग विश्वविद्यालयों में अध्यापन कर रहे हैं।

ट्रंप के दक्षिण कोरिया दौरे से पहले उत्तर कोरिया ने दागे क्रूज मिसाइल

प्योंगयांग , एजेंसी। उत्तर कोरिया ने बुधवार को दावा किया कि उसने अपने पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में समुद्र से सतह पर मार करने वाली क्रूज मिसाइलों का सफल परीक्षण किया है। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दक्षिण कोरिया दौरे से ठीक पहले उठाया गया है। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए ने बताया कि मंगलवार को हुआ यह परीक्षण सफल रहा और इससे देश की परमाणु हथियारों से लैस सेना की क्षमता और संचालन क्षेत्र और मजबूत होगा। दक्षिण कोरिया की सेना ने अभी यह पुष्टि नहीं की है कि उसने इन मिसाइल परीक्षणों को दर्ज किया या नहीं। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब ट्रंप और दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग के बीच शहर ग्योंगजू में बैठक होने वाली है। इसी शहर में इस साल एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग की बैठक भी आयोजित की जा रही है।

नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में भारी हिमपात, पर्यटक होटलों में फंसे

सोलुखुम्बु, एजेंसी। नेपाल के सोलुखुम्बु जिले के एवरेस्ट (सगरमाथा) क्षेत्र में मंगलवार सुबह से लगातार भारी हिमपात हो रहा है। खुम्बु पासाङल्हामु ग्रामीण नगरपालिका के दिङबोचे से ऊपर के इलाकों में घना हिमपात हुआ है, जबकि नाम्चे बाजार और आसपास के निचले क्षेत्रों में बारिश जारी है। सगरमाथा प्रदूषण नियंत्रण समिति के अध्यक्ष लामाकाजी शेर्पा ने बताया, दिङबोचे से ऊपर घना हिमपात हो रहा है, नीचे बारिश पड़ रही है। सभी पर्यटक होटल के अंदर हैं, बाहर निकलना मुश्किल है। वर्तमान में इस क्षेत्र में करीब तीन हजार से अधिक विदेशी पर्यटकों की उपस्थिति है। सोमवार को ही लगभग 800 विदेशी पर्यटक काठमांडू से लुक्ला पहुँचे थे। हिमपात के कारण रास्ते ढक गए हैं और दृश्यता (भिजिबिलिटी) बेहद कम है, जिससे पर्यटकों के रास्ता भटकने का खतरा बढ़ गया है। इसी कारण सोलुखुम्बु जिला प्रशासन कार्यालय ने पर्यटकों से यात्रा स्थगित कर सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। प्रमुख जिला अधिकारी लिलाकुमारी केसी पांडे के अनुसार फिलहाल मौसम अनुकूल नहीं है, इसलिए सभी पर्यटकों से अनुरोध किया गया है कि वे होटल या स्थानीय बस्तियों में ही रहें और सुरक्षित रहें। जिला प्रशासन कार्यालय ने बचाव दल को तैयार रखा है। जिला पुलिस कार्यालय के अनुसार, दिङबोचे में अस्थायी पुलिस पोस्ट है और वहाँ के पुलिसकर्मियों के साथ लगातार संपर्क में रहकर पर्यटकों की स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है। अनुमान है कि दिङबोचे से ऊपर के क्षेत्रों में करीब दो हजार विदेशी पर्यटक मौजूद हैं। लगातार हिमपात और बारिश के कारण ठंड बढ़ गई है। खुम्जुङ की स्थानीय निवासी पेम्बा शेर्पा ने बताया कि मङ्गलबार सुबह से हि बहुत ठंड है, बर्फ ने पूरा गाँव ढक लिया है और सब लोग घर के अंदर हैं। लगातार बर्फबारी से खुम्बु क्षेत्र का जनजीवन प्रभावित हुआ है। आमतौर पर पर्यटकों की भीड़ से गूंजने वाला नाम्चे बाजार फिलहाल सुनसान दिखाई पड़ा है।

ट्रंप ने किया समझौता, अमेरिका को दुर्लभ खनिज देगा जापान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने जापान के साथ दुर्लभ खनिजों (रेयर अर्थ मिनरल्स) को लेकर बड़ा समझौता किया है। दरअसल, चीन ने दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर कड़े प्रतिबंध लगा रखे हैं। ऐसे में अमेरिका को दिक्कतों का सामना करना पड़ा रहा है। यही वजह है कि अमेरिका अब चीन को घेरने के जापान का सहारा ले रहा है। ट्रंप ने मंगलवार को जापान की प्रथम महिला पीएम के रूप में ताकाइची की भूमिका को बड़ी बात बताते हुए जापान के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। वह बोले, हम जापान की मदद के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। दोनों नेताओं ने कई समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ मृदाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए रूपरेखा तैयार की गई।

इजराइल ने गाजा पर फिर हमला किया: 30 की मौत

हमास पर सीजफायर के उल्लंघन का आरोप, 20 दिन पहले समझौता हुआ था

तेल अवीव, एजेंसी। गाजा में सीजफायर लागू होने के बीच इजराइल ने एक बार फिर हवाई हमले किए। इनमें 30 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। इजराइल ने दावा किया कि हमास ने पहले सीजफायर का उल्लंघन कर गाजा में तैनात उसके सैनिकों पर हमला किया। इसके जवाब में यह कार्रवाई की गई। हालांकि हमास ने आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि वह सीजफायर का पालन कर रहा है। मंगलवार को इजराइल की ओर से किए गए हवाई हमलों ने गाजा सिटी, खान यूनिस, बेत लहिया और अल-बुरैज जैसे घनी आबादी वाले इलाकों को निशाना बनाया। गाजा के अस्पतालों के मुताबिक,मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। गाजा सिटी के साबरा इलाके में एक मकान पर बमबारी में तीन महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हुई। इजराइल और हमास के बीच 20 दिन पहले सीजफायर समझौता हुआ था। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नेतन्याहू की मौजूदगी में 29 सितंबर को 20 सूत्री शांति योजना पेश की थी, जिस पर हमास ने 9 अक्टूबर को हामी भरी थी।

इजराइली रक्षामंत्री बोले- हमास ने 'रेड लाइन' क्रॉस की : इजराइल और हमास के बीच तनाव एक बार फिर तेज हो गया है। इजराइली रक्षा मंत्री इस्राइल कैट्ज़ ने आरोप लगाया कि हमास ने गाजा में मौजूद इजराइली सैनिकों पर हमला किया और मृत बंधकों के शव लौटाने के समझौते का उल्लंघन किया।

हमास पर गलत शव लौटाने का भी आरोप

नेतन्याहू ने हमास पर यह भी आरोप लगाया है कि युद्धविराम समझौते के तहत हमास ने जो शव लौटाया वह गलत है। नेतन्याहू ने इसे समझौते का साफ उल्लंघन बताया। समझौते में हमास को सभी इजराइली बंधकों के शव जल्द से जल्द लौटाने थे। वहीं, हमास ने इजराइली हमले की वजह से बंदियों के शव लौटाने का प्रोग्राम रोक दिया है। इससे पहले हमास ने मंगलवार को कहा कि वह एक और शव लौटाएगा। खान यूनिस में एक गड्ढे से सफेद बैग में कुछ निकाला गया और एम्बुलेंस में डाला गया, लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि उसमें क्या था। अभी गाजा में 13 बंधकों के शव बाकी हैं। हमास का कहना है कि तबाही इतनी ज्यादा है कि शव ढूंढना मुश्किल हो रहा है। इजराइल का आरोप है कि हमास जानबूझकर देरी कर रहा है। मिस्र ने खोज में मदद के लिए एक्सपर्ट्स और भारी मशीनें भेजी हैं।

इजराइल गाजा की मानवीय मदद रोक सकते हैं

इजराइली मीडिया के मुताबिक, नेतन्याहू अन्य विकल्पों जैसे गाजा में मानवीय मदद रोकना, कब्जा बढ़ाना या हमास नेताओं पर हवाई हमले पर भी विचार कर रहे हैं। दूसरी तरफ, इजराइली सेना ने मंगलवार सुबह वेस्ट बैंक के जेनिन इलाके में छापा मारा। यहां तीन फिलिस्तीनी लड़ाकों को मार गिराया। इजराइल का कहना है कि वे आतंकी गतिविधियों में शामिल थे। वहीं, हमास ने दो को अपनी कासिम ब्रिगेड का सदस्य बताया। तीसरे को साथी कहा, लेकिन ज्यादा जानकारी नहीं दी।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान शांति वार्ता रही बेनतीजा, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लगाए आरोप

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से जारी तनाव को खत्म करने के लिए इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता बिना किसी ठोस समाधान के समाप्त हो गई है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तारड़ ने बुधवार को बताया कि दोनों देशों के बीच हुई यह बातचीत किसी व्यवहारिक समझौते तक नहीं पहुंच सकी। यह वार्ता 25 अक्तूबर से तुर्किये और कतर की मध्यस्थता में चल रही थी। दोनों पड़ोसी देशों के बीच यह बैठक 19 अक्तूबर को दोहा में हुई युद्धविराम सहमति के बाद आयोजित की गई थी। लेकिन लगातार मतभेदों और आरोप-प्रत्यारोप के चलते वार्ता बेनतीजा रही।

शांति वार्ता बेनतीजा : तारड़ ने अपने बयान में कहा अफगान प्रतिनिधिमंडल मुख्य मुद्दे से भटक गया और बातचीत के मूल उद्देश्य से किनारा कर लिया। जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय अफगान तालिबान ने सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप और बहानेबाजी की। रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान चाहता था कि तालिबान, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान पर लगाम लगाए, जिसे इस्लामाबाद ने हाल के हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराया है। लेकिन तालिबान ने TTP पर नियंत्रण से इनकार करते हुए कहा कि वह समूह उनके नियंत्रण में नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, वार्ता के दौरान दोनों पक्षों के बीच काफी तनावपूर्ण माहौल रहा। अफगान पक्ष का कहना था कि वह टीटीपी की गतिविधियों को पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सकता, जबकि पाकिस्तान ने हालिया हमलों के लिए अफगान तालिबान को जिम्मेदार बताया। इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तानी वायुसेना ने काबुल समेत कई इलाकों में टीटीपी ठिकानों पर हवाई हमले किए थे, जिसके जवाब में तालिबान ने पाकिस्तानी सेना की चौकियों पर हमला किया।

अगर कोई समझौता नहीं हुआ तो खुला युद्ध शुरू हो सकता है : पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को कहा था कि अगर इस्तांबुल वार्ता में कोई समझौता नहीं हुआ तो खुला युद्ध शुरू हो सकता है। हालांकि, युद्धविराम की घोषणा के बावजूद, सीमा क्षेत्र में झड़पें जारी हैं, जिसमें हाल ही में पांच पाकिस्तानी सैनिक और 25 तालिबान लड़ाके मारे गए। विशेषज्ञों का मानना है कि यह असफल वार्ता दक्षिण एशिया में स्थायी शांति की उम्मीदों को कमजोर कर सकती है और दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

ब्राजील में ड्रग माफिया पर हेलिकॉप्टर से रेड:जवाब में ड्रोन से बमबारी

रियो डी जेनिरो, एजेंसी। ब्राजील के रियो डि जेनेरियो में पुलिस ने ड्रग संगठन 'रेड कमांड' के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन चलाया है। राजधानी रियो डि जनेरियो में मंगलवार सुबह 2500 पुलिसकर्मियों ने हेलिकॉप्टर से अपराधियों के इलाकों पर छापा मारा। जैसे ही पुलिस की टीमें आगे बढ़ीं, रेड कमांड गैंग के सदस्यों ने फायरिंग शुरू कर दी। अधिकारियों के मुताबिक, गैंग ने सड़कों पर जलते हुए बैरिकेड्स लगाए और ड्रोन से बम गिराए, ताकि पुलिस को रोका जा सके।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भारी हथियारों का इस्तेमाल किया। इस भिड़ंत में कम से कम 64 लोग मारे गए, जिनमें 4 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस इस हमले के लिए 1 साल से प्लानिंग कर रही थी।

पुलिस ने 80 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया : पुलिस ने दिनभर चली मुठभेड़ में 80 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई से आसपास रहने वाले करीब तीन लाख लोगों में दहशत फैल गई।

लोग इसे 'वॉर जोन' जैसा माहौल बता रहे हैं। कई आम नागरिक भी गोलीबारी में घायल हुए, जबकि कई सड़कें अभी भी बंद हैं। इलाके में रहने वालों ने बताया कि गोलियों और धमाकों की आवाजें पूरे दिन गूंजती रहीं और लोग घरों से बाहर नहीं निकल पाए। ब्राजील सरकार के मुताबिक, इस इलाके को रेड कमांड का मुख्य ठिकाना माना जाता है। यह गिरोह लंबे समय से ड्रग तस्करी, हथियारों की सप्लाई और तटीय रूट्स पर कब्जे के लिए जाना जाता है। पुलिस ने बताया कि इस ऑपरेशन में 200 किलो से ज्यादा ड्रग्स, कई राइफलें और दूसरे हथियार बरामद किए गए हैं।

बांग्लादेश में जहर उगल रहा है हाफिज सईद का करीबी ढाका में पाकिस्तानी कट्टरपंथियों का नया बेस बना

ढाका, एजेंसी। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के करीबी सहयोगी और पाकिस्तान के इस्लामी संगठन मरकजी जमीयत अहले हदीस के महासचिव इब्तिसाम इलाही जहीर ने 25 अक्टूबर 2025 को बांग्लादेश के राजशाही स्थित शाह मकदूम एयरपोर्ट पर लैंड किया। सुरक्षा एजेंसियां उनके अचानक दौरे से चौंक गईं। उनके स्वागत के लिए स्थानीय इस्लामी संगठन अल जामिया अस सलीफा के पदाधिकारी मौजूद थे, जिन्होंने उन्हें नऊदापाड़ा स्थित अपने कैंपस में ठहराया। जहीर इसके बाद चपैनवाबगंज जिले के नचोले, रंगपुर, लालमुनिरहाट और निलफामारी जैसे भारत सीमा से सटे जिलों में गए, जहां जहीर ने स्थानीय मस्जिदों में कई धार्मिक सभाएं कीं। यह इलाके भारतीय सीमा के करीब 20-25 किमी की दूरी पर है। इन सभाओं में जहीर ने यह कहते हुए विवाद खड़ा किया- 'यहूदी और ईसाई मुसलमानों के दोस्त नहीं हो सकते।' रिपोर्ट्स के अनुसार, उसने इस्लाम छोड़ने वालों को मारने की बात दोहराई। यह बयान 2012 में दिए उसके पुराने विवादित भाषण की तर्ज पर था। यूनुस सरकार ने खुली छूट दी, 2025 में ही दूसरा दौरा पाकिस्तानी

कट्टरपंथियों के लिए बांग्लादेश अब 'कार्रवाई का नया अड्डा' बनता दिख रहा है। अगस्त 2024 में मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के आने के बाद यह हाफिज सईद के सहयोगी इब्तिसाम इलाही ज़हीर की दूसरी यात्रा है; पहली फरवरी 2025 में हुई थी। इस बार दौरा पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष जनरल साहिर शमशाद मिर्ज़ा के साथ मेल खाता है, जो छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ ढाका पहुंचे। दोनों यात्राओं का ध्यान भारत-बांग्लादेश सीमा, खासकर सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर केंद्रित है। यूनुस सरकार पर पाक समर्थक नीति और विदेशी कट्टरपंथियों को छूट देने के आरोप लग रहे हैं, जिससे अल्पसंख्यक समुदाय असुरक्षित है।

भारतीय मूल के बड़े उद्योगपति दर्शन सिंह की कनाडा में हत्या, लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में भारतीय मूल के एक बड़े उद्योगपति की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। कनाडा के मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय मूल के उद्योगपति दर्शन सिंह साहसी की कनाडा के एबट्सफोर्ड इलाके में उस वक्त हत्या कर दी गई, जब वे कार में सवार होकर कहीं जा रहे थे।

हत्याकांड का सीसीटीवी फुटेज आया सामने : दर्शन सिंह साहसी की हत्या का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें दर्शन सिंह अपनी कार में सवार होते दिख रहे हैं, तभी एक हमलावर उनके पास आता है और दर्शन

सिंह पर गोलियां चला देता है। हमलावर अकेला था और मौके से एक टोयोटा कोरोला कार में सवार होकर फरार हो गया। गोलीबारी की सूचना के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची तो दर्शन सिंह गंभीर हालत में घायल थे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। कनाडा पुलिस ने बताया कि अभी जांच शुरुआती चरण में है और जल्द ही इसके बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी : वहीं कनाडा स्थित गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर दर्शन सिंह साहसी की हत्या की जिम्मेदारी ली है। गोल्डी ढिल्लन, लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा हुआ है। गोल्डी ढिल्लन ने पोस्ट में दावा किया कि पीड़ित ड्रग तस्करी में शामिल थे और गैंग द्वारा पैसे की डिमांड को नजरअंदाज किया जा रहा था। हालांकि पुलिस ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है और दर्शन सिंह की हत्या में लॉरेंस बिश्नोई गैंग की कथित संलिप्तता की जांच करने की बात कही है।

जमैका से टकराया सदी का सबसे खतरनाक तूफान, ला सकता है भारी तबाही

300 द्वद्वश्वद्ध की गति से हवाएं चल रहीं

किंगस्टन, एजेंसी। कैरेबियाई देश जमैका से कैटेगरी-5 का तूफान मेलिसा टकराया है। मेलिसा को इस सदी का सबसे खतरनाक तूफान बताया जा रहा है। तूफान के चलते जमैका में 300 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। सरकार ने छह लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया है। तूफान के असर से जमैका में तीन, पड़ोसी देश हैती में तीन और डोमिनिकन रिपब्लिक में एक व्यक्ति की मौत हुई है। यह तूफान इतना ताकतवर है कि पूरे देश को तबाह कर सकता है।

कैटेगरी-5 के तूफान सबसे खतरनाक होते हैं

कैटेगरी-5 का तूफान सबसे खतरनाक श्रेणी का माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने मेलिसा तूफान को सदी का सबसे ताकतवर तूफान बताया है। पहले ये तूफान हैती और डोमिनिकन रिपब्लिकन से टकराया और अब जमैका तक पहुंचने में ये और खतरनाक हो गया है। जिस वक्त तूफान जमैका से टकराया, उस वक्त 300 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल रहीं हैं और भारी बारिश हो रही है। हवा की ये गति इतनी तेज है कि यह बड़ी-बड़ी इमारतों को ध्वस्त कर सकता है। इससे बिजली और कम्युनिकेशन सिस्टम भी तबाह हो सकता है।

तूफान से भारी बारिश और भूस्खलन का खतरा

मेलिसा तूफान के चलते जमैका में बाढ़ और भूस्खलन का खतरा है। जमैका सरकार ने प्रभावित इलाकों से लाखों लोगों को सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरित कर दिया है। जमैका में बीते कई दिनों से बारिश का दौर जारी है। ऐसे में जमीन में नमी होने के चलते भूस्खलन का खतरा लोगों को डरा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों ने भी राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं।

वर्ल्ड फूड प्रोग्राम द्वारा लोगों को खाने के पैकेट दिए जा रहे हैं। यूएन का कहना है कि कैरेबियाई देशों में बीते साल जुलाई में शक्तिशाली बेरिल तूफान आया था, उसके बाद अब यह मेलिसा तूफान सबसे शक्तिशाली है। साथ ही यह अटलांटिक सागर में आया अब तक का सबसे शक्तिशाली तूफान बताया जा रहा है।

अमेरिकी संविधान में नहीं है कोई राह, ट्रंप के तीसरे कार्यकाल पर हाउस स्पीकर जॉनसन की टिप्पणी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर संकेत दिए हैं कि वह व्हाइट हाउस में तीसरे कार्यकाल के लिए लौटना चाहते हैं। हालांकि, हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने साफ कहा कि अमेरिकी संविधान इसकी अनुमति नहीं देता। रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ नेता और ट्रंप के करीबी माने जाने वाले जॉनसन ने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे पर ट्रंप से बात की है और ट्रंप संविधान की सीमाओं को समझते हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिकी संविधान के 22वें संशोधन के तहत कोई भी व्यक्ति दो बार से अधिक राष्ट्रपति नहीं बन सकता। जॉनसन ने कहा कि संविधान में बदलाव एक लंबी और जटिल प्रक्रिया है, जिसमें राज्यों और कांग्रेस दोनों की मंजूरी जरूरी होती है।

ट्रंप बोले- 'मैं जरूर करना चाहूंगा' : एयरफोर्स वन में जापान की यात्रा के दौरान ट्रंप ने पत्रकारों से कहा मैं तीसरे कार्यकाल के लिए जरूर चुनाव लड़ना चाहूंगा। लेकिन हमारे पास आने वाले चुनावों के लिए

बेहतरीन नेता हैं जैसे मार्को रुबियो और उपराष्ट्रपति जे.डी वेंस। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप 2028 लिखी टोपी व्हाइट हाउस आने वाले मेहमानों को बतौर स्मृति दी जा रही हैं, जिससे राजनीतिक अटकलें और तेज हो गई हैं। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि क्या वह उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़कर फिर राष्ट्रपति बनने की रणनीति पर विचार कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कानून इसकी अनुमति देता है, लेकिन मैं ऐसा नहीं करूंगा। यह लोगों को पसंद नहीं आएगा और सही भी नहीं होगा। हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा कि ट्रंप का तीसरे कार्यकाल का जिक्र राजनीतिक मजाक के तौर पर किया गया है। जॉनसन ने कहा वह डेमोक्रेट्स को ट्रोल करने में मजा लेते हैं। यह गंभीर प्रस्ताव नहीं है।

संविधान की सीमाएं और राजनीतिक संकेत : राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, ट्रंप द्वारा बार-बार तीसरे कार्यकाल का जिक्र करना अमेरिकी राजनीति की परंपराओं को चुनौती देने जैसा है। हालांकि, मौजूदा स्थिति में यह संवैधानिक रूप से असंभव है कि कोई राष्ट्रपति दो से अधिक बार पद संभाले।

एशिया दौरे के दूसरे चरण में जापान पहुंचे ट्रंप: इस बीच, ट्रंप अपने एशिया दौरे के दूसरे चरण में जापान पहुंच गए हैं। इससे पहले उन्होंने मलयेशिया की यात्रा पूरी की, जहां उन्होंने आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। कुआलालंपुर से रवाना होने से पहले उन्होंने मलयेशियाई अधिकारियों और नागरिकों को विदा कहा, जिससे उनका 24 घंटे का दौरा समाप्त हुआ।

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 में जीत के इरादे से उतरेगी

मेलबर्न (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न क्रिकेट मैदान में होने वाले दूसरे टी20 में जीत के इरादे से उतरेगी। इस सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। पहले टी20 में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही थी और कप्तान सूर्यकुमार यादव व उपकप्तान शुभमन गिल ने अच्छी बल्लेबाजी की थी हालांकि आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 19 रन ही बना पाये थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में भारतीय टीम को अभिषेक से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। भारतीय टीम की बल्लेबाजी अभिषेक और सूर्यकुमार के अलावा तिलक वर्मा पर भी निर्भर रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह के अलावा स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती के पास रहेगी।

दूसरी ओर मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को बल्लेबाजी में कप्तान मिचेल मार्श और टिम डेविड से उम्मीदें होंगी। गेंदबाजी जोश हेजलवुड पर आधारित रहेगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार रहेगी।

दोनो के बीच अब तक 33 टी20 मैच खेले गए हैं, जिसमें भारतीय टीम ने 20 मुकाबले जबकि 11 मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं। वहीं 2 मैचों का परिणाम नहीं निकला।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत = सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उप-कप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया -मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट , माहली बीअर्डमैन , बेन ड्वारशुइस , नाथन एलिस, जोश हेजलवुड ग्लेन मैक्सवेल तीसरे से पांचवें मैच तक, टिम डेविड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), मैथ्यू कुहनेमैन, मिचेल ओवेन, जोश फिलिप (विकेटकीपर), मैथ्यू शॉर्ट, जेवियर बार्टलेट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जांपा और तनवीर सांघा।

आईपीएल 2026 से पहले केकेआर का बड़ा दांव ! अभिषेक नायर बने मुख्य कोच, सौंपी कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल के 2026 संस्करण से पहले अभिषेक नायर को फ्रैंचाइज़ी का मुख्य कोच नियुक्त किया है। 2018 से फ्रैंचाइज़ी से जुड़े नायर को पहली बार मुख्य कोच की भूमिका में पदोन्नत किया गया है। उन्होंने अनुभवी घरेलू कोच चंद्रकांत पंडित की जगह ली है, जो तीन सीज़न तक फ्रैंचाइज़ी के प्रमुख रहे थे। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व वाले भारतीय सहयोगी स्टाफ से निकाले जाने के बाद, नायर आईपीएल के 2025 संस्करण के बीच में फ्रैंचाइज़ी में लौट आए।

केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने एक फ्रैंचाइज़ी बयान में कहा, ÷अभिषेक 2018 से नाइट राइडर्स टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं और उन्होंने मैदान के अंदर और बाहर हमारे खिलाड़ियों को तराशने में अहम भूमिका निभाई है। खेल के प्रति उनकी समझ और खिलाड़ियों के साथ जुड़ाव हमारे विकास में महत्वपूर्ण रहा है। हम उन्हें मुख्य कोच के रूप में कार्यभार संभालते हुए और केकेआर को उसके अगले अध्याय में ले जाते हुए देखकर रोमांचित हैं।÷ नायर, जिन्हें दिनेश कार्तिक और केएल राहुल जैसे खिलाड़ियों ने सफेद गेंद के खेल को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए खुले तौर पर स्वीकार किया है, को डब्ल्यूपीएल टीम यूपी वॉरियर्स ने भी मुख्य कोच नियुक्त किया था। नायर 2018 में केकेआर अकादमी में मुख्य कोच के रूप में शामिल हुए और जल्द ही टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल हो गए। नायर उस समय टीम से जुड़े रहे हैं जब जैक्स कैलिस मुख्य कोच थे, जिनकी जगह बाद में ब्रेंडन मैकुलम और पंडित ने ले ली। नायर 2024 में पंडित और गंभीर के साथ सहायक कोच के रूप में फ्रैंचाइज़ी के साथ थे, जो केकेआर द्वारा अपना तीसरा आईपीएल खिताब जीतने के समय मेंटर थे, और श्रेयस अय्यर कप्तान थे। नायर ने 2022 में सीपीएल में नाइट राइडर्स की सैटेलाइट फ्रैंचाइज़ी, ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के मुख्य कोच के रूप में भी काम किया।

हॉकी चंडीगढ़ के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि होंगे पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया : करन गिल्होत्रा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारत में हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हॉकी चंडीगढ़ द्वारा आगामी 7 नवंबर को भव्य भारतीय हॉकी शताब्दी समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि होंगे। हॉकी चंडीगढ़ के अध्यक्ष करन गिल्होत्रा, उपाध्यक्ष अनिल वोहरा और एडवाइजर शालीन कपूर ने श्री कटारिया से मुलाकात कर उन्हें समारोह में आमंत्रित किया। राज्यपाल ने इस आयोजन के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि चंडीगढ़ इस अवसर पर हॉकी के इतिहास में एक नई पहचान बनाएगा।

करन गिल्होत्रा ने बताया कि समारोह के आयोजन में चंडीगढ़ प्रशासन, स्पोर्ट्स विभाग और नगर निगम चंडीगढ़ का भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'हॉकी भारत की गौरवशाली धरोहर है। 1925 में राष्ट्रीय हॉकी संस्था के गठन से शुरू हुई यह यात्रा आज 100 वर्ष पूरे कर रही है। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है कि चंडीगढ़ इस ऐतिहासिक उत्सव का हिस्सा बनेगा। हमारा उद्देश्य नई पीढ़ी को हॉकी के स्वर्णिम इतिहास से जोड़ना है।'

अनिल वोहरा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे होगी, जिसमें तीन प्रदर्शनी मैच खेले जाएंगे, लड़कों के जूनियर और सीनियर वर्गों के मुकाबले तथा लड़कियों का एक विशेष मैच शामिल होगा। इस मौके पर देश-विदेश से हॉकी के कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें ओलिंपियन दीपक ठाकुर, राजपाल सिंह, बलजीत सिंह, साथ ही भारत की मौजूदा टीम के कप्तान संजय, मनिंदर सिंह, विक्रमजीत सिंह, और जूनियर टीम के कप्तान रोहित प्रमुख हैं। करन गिल्होत्रा ने आगे बताया कि हॉकी इंडिया के नेतृत्व में देशभर में एक साथ ऐसे शताब्दी समारोह आयोजित किए जाएंगे, जिससे हॉकी को नया आयाम और नई पहचान मिलेगी।

रोहित-विराट के बाद युवा भारत की सबसे बड़ी चुनौती, टी 20 वर्ल्ड कप से पहले अहम इम्तिहान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज़ आज कैनबरा में शुरू होने जा रही है और इस बार पूरी निगाहें भारत की नई पीढ़ी यानी अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और वरुण चक्रवर्ती जैसे खिलाड़ियों पर टिकी हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद पहली बार ऐसा मौका है जब भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में अपने भविष्य की दिशा तय करने का मौका मिलेगा।

बता दें कि सुर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने पिछले एक साल में बेहद आक्रामक और निडर अंदाज़ में क्रिकेट खेला है और इसके बेहतरीन नतीजे भी हासिल किए हैं। टीम ने पिछले 27 टी20 मुकाबलों में से 23 में जीत दर्ज की है, जिसमें हाल ही का एशिया कप खिताब भी शामिल है। अगले टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारत के पास कुल 15 मैच बाकी हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह सीरीज़ सबसे अहम मानी जा रही है।

गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया भी इस वक्त शानदार फॉर्म में है और पिछले 19 में से 16 मुकाबले जीत चुका है। ऐसे में यह मुकाबला दुनिया की दो नंबर 1 टीमों के बीच हाई-इंटेंसिटी बैटल माना जा रहा है। खास बात यह है कि भारतीय टीम के लगभग आधे खिलाड़ी पहली बार ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर खेलते नज़र आएंगे। यहां की तेज़, उछाल भरी पिचें और बड़े बाउंड्री एरिया बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं।

हालांकि मौजूद जानकारी के अनुसार ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज़ में अपेक्षाकृत अनुभवहीन गेंदबाज़ी के साथ उतर सकता है, जिसका फायदा भारतीय बल्लेबाज़ उठाने की कोशिश करेंगे। लेकिन असली खतरा मेज़बान टीम की धमाकेदार बल्लेबाज़ी है, जिसमें मिशेल मार्श और ट्रैविस हेड जैसे विस्फोटक ओपनर शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार ऑस्ट्रेलिया इस साल पावरप्ले में औसतन 61 रन के स्कोर और 169 के रिकॉर्ड स्ट्राइक रेट से रन बना रहा है।

सूर्यकुमार यादव ने मैच से पहले संकेत दिए कि जसप्रीत बुमराह पावरप्ले में दो ओवर की जिम्मेदारी उठाने के लिए तैयार हैं। वहीं मिडल ओवर्स में टीम उम्मीद लगाए बैठी है कि कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती की स्पिन जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों की रफ्तार पर ब्रेक लगाएगी। हार्दिक पंड्या की गैरमौजूदगी में शिवम दुबे को अहम ऑलराउंडर की भूमिका निभानी होगी, जबकि नितीश कुमार रेड्डी बैकअप विकल्प के तौर पर शामिल किए गए हैं। पहले ही मैच से यह अंदाज़ा भी लग जाएगा कि भारत की जनरेशन एक्स टीम ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक क्रिकेट संस्कृति को उसी अंदाज़ में जवाब देने के लिए कितनी तैयार है और क्या वे अपने पूर्वजों की विरासत को सफलतापूर्वक आगे ले जा पाएंगे या नहीं, यह देखने वाली बात होगी हैं।

साउथ अफ्रीकी टीम विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में, इंग्लैंड को 125 रन से हराया, वोलवार्ट के 169 रन

गुवाहाटी। साउथ अफ्रीकी टीम पहली बार विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गई है। टीम ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 125 रन से हरा दिया। गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। टीम ने कप्तान लौरा वोलवार्ट के 169 रन की बदौलत 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 319 रन बनाए। बुधवार को 320 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लिश टीम 42.3 ओवर में 194 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम से कप्तान नैट सिवर ब्रंट ने सबसे ज्यादा 64 रन बनाए। एलिस कैप्सी 50 रन बनाकर आउट हुईं। साउथ अफ्रीका से मारीजान कैप ने 5 विकेट चटकाए। वोलवार्ट प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। इस जीत के साथ साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड से हिसाब बराबर भी कर लिया। टूर्नामेंट के पहले मैच में टीम इंग्लैंड के खिलाफ ही 69 रन पर सिमट गई थी। वहीं टीम को पिछले 2 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भी इंग्लैंड ने ही बाहर किया था।

जय शाह और आईओसी अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी पर चर्चा की

नई दिल्ली। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने इस सप्ताह की शुरुआत में स्विट्जरलैंड में आईओसी सत्र के दौरान आईओसी अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री से मुलाकात की और 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक की राह और ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी पर चर्चा की। उन्होंने अब तक हुई प्रगति और ओलंपिक आंदोलन के विकास में क्रिकेट की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श किया। जय शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, '2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक की राह और ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी पर हमारी चल रही चर्चा को जारी रखने के लिए आईओसी अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री से मिलकर खुशी हुई। हमने अब तक हुई प्रगति और ओलंपिक आंदोलन के विकास में क्रिकेट की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श किया।'

सिद्धू ने ऋषभ की जमकर प्रशंसा करते हुए उसे फीनिक्स पक्षी के समान बताया

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उसकी इच्छा शक्ति और जुनून गजब का है। ऋषभ अभी दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ बेंगलुरु में जारी चार दिवसीय मुकाबले में भारत ए की कप्तानी कर रहे हैं। सिद्धू ने कहा कि किसी ने कल्पना तक नहीं की थी कि इतने भीषण कार हादसे के बाद ऋषभ दोबारा चल पायेंगे पर वह आज खेल रहे हैं। उन्होंने इस विकेटकीपर बल्लेबाज की तुलना पक्षी फीनिक्स से की है!

ऋषभ इंग्लैंड दौरे में लगी चोट से उबरकर अभी भारत ए की कप्तानी कर रहे है। इंग्लैंड दौरे में ही मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की एक यॉर्कर पर लगने से उनके पैर की उंगली में फैक्चर हो गया था। इसी कारण वह एशिया कप, के अलावा वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी नहीं गये थे। सिद्धू ने कहा, ऋषभ फीनिक्स पक्षी के समान हैं जो राख से उठ खड़ा होता है। उनकी निडरता को देखिए, उनकी असाधारण उपलब्धियों को देखिए जिसे उन्होंने हासिल किया है। जिस तरह से उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में बल्लेबाजी की थी, जिस तरह उन्होंने इंग्लैंड में हमें मैच जितवाए, वो शानदार है। मैं अब तक जितने भी क्रिकेटर देखें हैं उनमें से वह सबसे अच्छे क्रिकेटरों में एक है। जब मैं उन्हें देखता हूं तो आनंद आता है। इस क्रिकेटरों ने सभी को सिखाया है कि जिंदगी में मुश्किलों से कैसे निकल सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका ए के साथ मैच में भारत ए की कप्तानी करते हुए ऋषभ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है।

इंग्लैंड के लिए आसान नहीं रहेगा ऑस्ट्रेलिया दौरा : स्मिथ

-हरी-भरी घास वाली पिचों पर होगी बल्लेबाजों की परीक्षा

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने इस साल के अंत में होने वाली एशेज सीरीज से पहले इंग्लैंड को चेताया है कि उसके लिए ये दौरा आसान नहीं होगा। स्मिथ को पैट कमिंस के फिट नहीं होने से पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट के लिए कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। उन्होंने कहा है कि इंग्लैंड के बल्लेबाजों के लिए ऑस्ट्रेलिया की उछाल भरी पिचों पर रन बनाना आसान नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि बेन स्टोक्स की टीम को बेजान पिचों की जगह हरी-भरी घास वाली पिचों पर खेलना होगा। स्मिथ ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में हालात अलग होने वाले हैं? मुझे लगता है कि पिछले तीन-चार साल शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लिए उतने ही कठिन रहे हैं जितने हमने लंबे समय में देखे हैं। स्मिथ ने साथ ही कहा, इस प्रकार के हालात में गेंदबाजी करने वाले काफी अनुभवी हैं, इसलिए बल्लेबाजों के लिए समस्याएं बढ़ जाएंगी। यह सभी बल्लेबाजों के लिए मुश्किल होगा पर जब आप तेजी से रन बनाने की कोशिश करेंगे, तो यह बहुत ही कठिन रहेगा। पिछले चार सालों में ऑस्ट्रेलिया में तेज-गेंदबाजी पिचें बन रही हैं। साल 2021-22 एशेज की शुरुआत से ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैचों में शीर्ष सात बल्लेबाजों का औसत प्रति आउट 30.22 रहा है, जिसमें 20 टेस्ट में कुल 24 शतक शामिल हैं। वहीं इसके विपरीत 2022 में आक्रामक बल्लेबाजी शुरु होने के बाद बल्लेबाजों का औसत 38.94 रहा है। जबकि ऑस्ट्रेलिया में रन बनाने की कला में गिरावट आई है, हेड ने शानदार प्रदर्शन किया है, उन्होंने छह शतकों के साथ 54.64 का औसत और घरेलू हालातों में 88.90 का स्ट्राइक रेट हासिल किया है। ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड को रोकना इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण के लिए काफी कठिन होगा। हेड की तरह इसी दौरान ऑस्ट्रेलिया में किसी भी अन्य खिलाड़ी का औसत 45.29 से अधिक नहीं रहा है।

जानिक सिनर ने जिजू बर्ग्स को हराया, पेरिस मास्टर्स के अगले दौर में पहुंचे

पेरिस। दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी जानिक सिनर ने बेल्जियम के जिजू बर्ग्स को हराकर पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बना ली हैं। इटली के दिग्गज सिनर ने बुधवार को पहले दौर के मुकाबले में बेल्जियम के जिजू बर्ग्स के खिलाफ 6-4, 6-2 से जीत दर्ज कर अपने अभियान की शुरुआत की। सिनर की जीत पुरुषों के विश्व के नंबर वन कार्लोस अल्काराज के ग्रेट ब्रिटेन के कैमरन नॉरी (नंबर 31) से चौंकाने वाली हार के एक दिन बाद हुई। उनकी हार ने इटैलियन खिलाड़ी के लिए नंबर वन पोजीशन फिर से हासिल करने का रास्ता खोल दिया है, अगर वह पेरिस में जीत पाते हैं। मैच के बाद सिनर ने कहा, 'यह यहां एक बहुत ही अनोखा कोट है। आमतौर पर मुझे हमेशा थोड़ी मुश्किल होती है, इसलिए मैं पहला मैच जीतकर बहुत खुश हूं। आज मैंने जिस तरह से सर्व किया, उससे मैं बहुत खुश हूं। मैं बहुत सटीक था। मैंने सीधे ब्रेक के साथ शुरुआत की, जिससे मेरे आत्मविश्वास में वृद्धि हुई। मैं आज के प्रदर्शन से खुश हूं। देखते हैं कल क्या होता है।' टूर्नामेंट के अगले दौर में सिनर का मुकाबला गुरुवार को अर्जेंटीना के फांसिस्को सेरुंडोलो से होगा।

श्रेयस अय्यर अगले दो माह खेल से दूर रहेंगे, विश्वकप में भी शायद ही खेल पायें

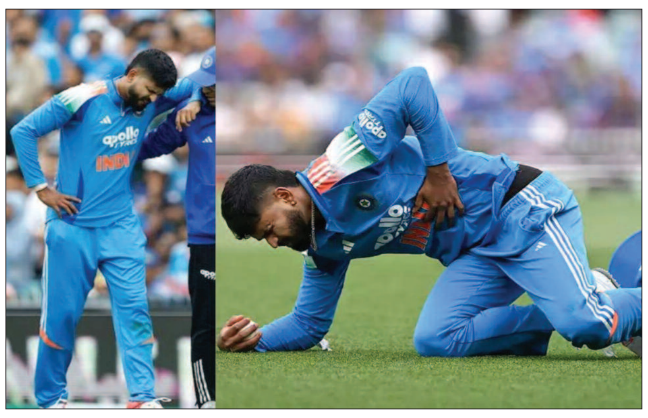

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में एकदिवसीय सीरीज के दौरान पसलियों में चोट लगने के कारण गंभीर रुप से घायल हुए भारतीय टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की वापसी कब होगी। ये अभी तय नहीं है पर माना जा रहा है की वह दो महीने मैदान से दूर रहेंगे। श्रेयस ऐलेक्स कैरी का एक कैच पकड़ते हुए चोटिल हो गए थे। इसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया था जहां पसलियों में हुए आंतरिक रक्तस्राव के कारण उन्हें आईसीयू में रखा गया। अब उनका आंतरिक रक्तस्राव रुक गया है और वह पहले से बेहतर हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, श्रेयस अगले दो महीनों तक क्रिकेट से बाहर रहेंगे, जिससे अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज से भी वह बाहर हो गये हैं।

वहीं नये साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए भी उनका स्वदेश लौटना तय नहीं है। इससे साफ है कि वह फरवरी में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए भी शायद ही शामिल किये जाए क्योंकि प्रबंधन फरवरी में होने वाले आईसीसी टूर्नामेंट में उन्हीं खिलाड़ियों को उतारना चाहेगा जो घरेलू सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर पाये हों। ऐसे में वह जुलाई में इंग्लैंड के सीमित ओवरों के दौरे में उतरेंगे। ऐसे में अय्यर आईपीएल के दौरान ही क्रिकेट फील्ड पर वापसी कर पाएंगे।

ब्लैक आर्मबैंड पहनकर मैदान में उतरे भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी, 17 साल के क्रिकेटर को मौत के बाद दी श्रद्धांजलि

नवी मुंबई। भारत और ऑस्ट्रेलिया की खिलाड़ियों ने गुरुवार को महिला वर्ल्ड कप सेमीफाइनल के दौरान युवा क्रिकेटर बेन ऑस्टिन को श्रद्धांजलि देने के लिए ब्लैक आर्मबैंड पहने। ऑस्टिन की ट्रेनिंग के दौरान गेंद लगने से मौत हो गई थी। ऑस्टिन की उम्र 17 साल थी और मंगलवार को मेलबर्न के बाहरी इलाके में फन्ट्री गली क्रिकेट क्लब में बैटिंग करते समय गर्दन पर गेंद लग गई थी। वह अपने क्लब के लिए ट्रेनिंग करते समय हेलमेट पहने हुए थे, जिसमें नेक गार्ड नहीं था, और उन्हें साइड-आर्म से फेंकी गई गेंद लगी थी। ऑस्टिन टी20 मैच से पहले नेट्स में तेज गेंदबाजों के खिलाफ बैटिंग कर रहे थे, तभी अपने साथियों के सामने उन्हें यह जानलेवा चोट लगी। इस घटना के बाद ऑस्टिन को वेंटिलेटर पर रखा गया था, लेकिन चोट के कारण उनकी मौत हो गई, जिससे 2014 में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर फिल ह्यूज की दुखद मौत की यादें ताजा हो गईं। फन्ट्री गली ने गुरुवार को ऑस्टिन की मौत की पुष्टि की।

भारतीय पहलवानों ने एशियन यूथ गेम्स 2025 में किया शानदार प्रदर्शन, जीते सात मेडल

मनामा (बहरीन) (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती दल ने एशियन यूथ गेम्स 2025 में मेडलों की झड़ी लगाकर अभियान का शानदार समापन किया, जिसमें मोनी और जयवीर सिंह ने मनामा के एग्जीबिशन वर्ल्ड बहरीन में गोल्ड मेडल जीते। लड़कों के 55 किलोग्राम फ्रीस्टाइल डिवीजन में मुकाबला कर रहे जयवीर सिंह ने कल टॉप पर पहुंचने के लिए शानदार प्रदर्शन किया। श्रीलंका के निमेश दुलंजना और कंबोडिया के फान चान ओउ डोम पर 10-0 की शानदार जीत दर्ज करने के बाद जयवीर ने एक कड़े क्वार्टर फाइनल में ईरान के यासीन ज़ारेज़ादेह को क्राइटेरिया के आधार पर हराया।

सेमीफाइनल में जयवीर सिंह ने कजाकिस्तान के इब्राहिम यस्ककबेक को 5-0 से हराया और गोल्ड मेडल मुकाबले में जापान के यामातो फुरुसावा के खिलाफ 6-2 की जीत के साथ अपना अभियान खत्म किया। मोनी ने भी लड़कियों की फ्रीस्टाइल 57 किलोग्राम कैटेगरी में उतना ही शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय पहलवान ने सेमीफाइनल में पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की जियाओहान जू को 8-0 से हराया और फाइनल में किर्गिस्तान की सेजिम कुर्मनबेकोवना ज़ोल्डोशबेकोवा को टेक्निकल सुपीरियरिटी के आधार पर 10-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता।

गौरव पुनिया ने लड़कों की 65 किलोग्राम कैटेगरी में प्रभावित किया लेकिन फाइनल में हार गए, उन्हें ईरान के मोर्तेजा हाजी मोल्लामोहम्मदी से 4-1 से हार मिली, जो अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं। लड़कियों की 69 किलोग्राम कैटेगरी में अश्विनी विश्नोई, जो अपनी सामान्य 65 किलोग्राम डिवीजन से ऊपर मुकाबला कर रही थीं, फाइनल में चीन की झाओ मिन से 10-3 से हारने के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

कुश्ती में भारत के मेडलों का सिलसिला यहीं खत्म नहीं हुआ। अंडर-17 वर्ल्ड्स की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट कोमल वर्मा ने लड़कियों के 49 किलोग्राम इवेंट में पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की मो जियाओकिंग को 3-1 से हराकर एक और पोडियम फिनिश हासिल किया, जबकि रचना ने लड़कियों के 43 किलोग्राम वर्ग में किर्गिस्तान की आइजान किलिचबेकोवना काबिल्बेकोवा को 11-0 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता।

एशियन यूथ गेम्स में भारत का कुल मेडल टैली 33 हो गया है जिसमें 6 गोल्ड, 11 सिल्वर और 16 ब्रॉन्ज शामिल हैं। इस बीच भारतीय पहलवानों ने कल कुल 7 मेडल जीतकर अपना अभियान खत्म किया। मंगलवार को याशिता ने कुश्ती में लड़कियों के 61 किलोग्रामप वर्ग में गोल्ड मेडल जीता। वेटलिफ्टर प्रीतिस्मिता भोई और भारत की लड़कों और लड़कियों की कबड्डी टीमों ने भी गेम्स में पहले गोल्ड मेडल जीते हैं।

एक दीवाने की दीवानियत के बाद अब एक्शन अवतार में दिखेंगे हर्षवर्धन राणे? पोस्ट साझा कर खुद की घोषणा

बॉलीवुड अभिनेता हर्षवर्धन राणे इन दिनों अपनी फिल्म एक दीवाने की दीवानियत के लिए खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। अब खबर है कि अभिनेता डायरेक्टर मिलाप जवेरी के साथ काम करने जा रहे हैं। यह नया प्रोजेक्ट एक हाई-एनर्जी मास एंटरटेनर बताया जा रहा है, जो दोनों की जोड़ी को एक बार फिर बड़े पर्दे पर लेकर आएगी

इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया साझा

सोशल मीडिया पर हर्षवर्धन राणे ने अपनी तस्वीर साझा करते हुए एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मुझे मिलाप सर की स्क्रिप्ट पर पूरा भरोसा है, अगर वो मुझे कोई कहानी देंगे, तो मैं बिना सोचे साइन कर दूंगा। इस पर डायरेक्टर मिलाप जवेरी ने भी तुरंत प्रतिक्रिया दी और कहा, मैंने तो ऑफर दे दिया है मेरे दोस्त! और जवाब तो 'हां' ही रहेगा, वो भी पक्की वाली। दोनों की कमेंट सेक्शन में इस बातचीत के बाद अब इसे एक्टर की तरफ से फिल्म की घोषणा बताया जा रहा है जिसका नाम मेसी हो सकता है।

'एक दीवाने की दीवानियत' के बाद फिर साथ आएंगे दोनों

'एक दीवाने की दीवानियत' में हर्षवर्धन राणे के इमोशनल किरदार को दर्शकों ने खूब सराहा था। फिल्म की सफलता के बाद मिलाप जवेरी और राणे की जोड़ी एक बार फिर साथ काम करने जा रही है। सूत्रों की मानें तो यह फिल्म एक्शन, इमोशन और देसी तड़के से भरपूर होगी, बिल्कुल वैसी ही जैसी मिलाप की पिछली फिल्मों की पहचान रही है।

गैंगस्टर ड्रामा और 'सिला' भी हैं लाइन में

मिलाप जवेरी के प्रोजेक्ट के अलावा, हर्षवर्धन राणे कई और बड़े प्रोजेक्ट्स में भी बिजी हैं। खबर है कि उन्हें एकता कपूर की आने वाली गैंगस्टर ड्रामा फिल्म के लिए भी एप्रोच किया गया है। यह फिल्म एक क्राइम थ्रिलर यूनिवर्स की तरह बनाई जा रही है, जिसमें जबरदस्त एक्शन और ग्रे शेड वाले किरदार दिखेंगे। माना जा रहा है कि राणे इस फिल्म में एक गहरे और जटिल किरदार में नजर आएंगे, जो उनके करियर का नया टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है।

इसके अलावा, हर्षवर्धन ने हाल ही में निर्देशक ओमंग कुमार की फिल्म 'सिला' की शूटिंग पूरी की है। यह फिल्म वियतनाम में शूट की गई और इसमें उनके साथ अभिनेत्री सादिया खातिब नजर आएंगी। ओमंग कुमार के निर्देशन में यह फिल्म भावनात्मक और रहस्यमयी कहानी पर आधारित बताई जा रही है।

'सनम तेरी कसम' का सीक्वल भी आने वाला है

फैंस के लिए खुशखबरी यह भी है कि 2016 की हिट रोमांटिक फिल्म 'सनम तेरी कसम' का सीक्वल भी तैयार हो रहा है।

'थामा' की सफलता पर गदगद हुए आयुष्मान खुराना

अभिनेता आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी फिल्म 'थामा' से चर्चा में हैं, जिसे दर्शकों द्वारा अच्छी प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। अभिनेता ने इस फिल्म की सफलता पर अपनी राय व्यक्त की है। रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना अभिनीत 'थामा' इन दिनों सिनेमाघरों में दिखाई जा रही है। हाल ही में अभिनेता ने इस फिल्म की सफलता को लेकर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही थामा में अपने किरदार के बारे में भी बताया है। चलिए जानते हैं क्या बोले आयुष्मान खुराना।

'मेरी सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म है'

अभिनेता आयुष्मान खुराना ने बात की। उन्होंने कहा, 'मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स हिंदी सिनेमा का सबसे सफल यूनिवर्स है। ओपनिंग कमाई के मामले में 'थामा' दूसरे नंबर पर है। यह मेरी सबसे बड़ी ओपनिंग है और मुझे उम्मीद है कि यह मेरी सबसे बड़ी फिल्म भी बनेगी।'

फिल्म में अपने किरदार के बारे में की बात

आगे बात करते हुए अभिनेता से सवाल किया गया कि उन्हें इस फिल्म में किस चीज ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में पहली बार मैंने अपने पुराने किरदारों से हठकर रोल किया है। इसमें मैंने वैंपायर या सुपरहीरो जैसी भूमिका की है। इसलिए मैं बहुत उत्साहित हूं। मैं इस यूनिवर्स का बहुत बड़ा फैन हूं और जो मैं पर्दे पर देखना चाहता हूं, उसी को करना चाहता हूं।'

फिल्म थामा के बारे में

मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा 'थामा' दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। यह फिल्म 2025 की उन चुनिंदा फिल्मों में शामिल हो गई है, जिसने मात्र एक हफ्ते में 100 करोड़ क्लब में जगह बना ली है। दर्शक फिल्म के रोमांचक ट्विस्ट और मनोरंजन भरे डर को खूब एंजॉय कर रहे हैं।

इमरान हाशमी ने अपनी फिल्म 'हक' पर की बात

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी ने अपनी आगामी फिल्म हक के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने उसकी कहानी पर प्रकाश डाला। चलिए जानते हैं अभिनेता ने क्या कहा।

इमरान हाशमी और यामी गौतम की आगामी फिल्म 'हक' जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह एक कोर्टरूम ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म की कहानी शाह बानो बेगम केस पर आधारित है। अभिनेता ने अपनी फिल्म के बारे में विचार प्रकट किए हैं। साथ ही फिल्म के मुद्दे पर भी बात की। आइए जानते हैं इमरान हाशमी से हुई बातचीत के बारे में।

'यह एक ऐतिहासिक मामला था'

अभिनेता इमरान हाशमी ने एएनआई से बात की और अपनी आगामी फिल्म हक की कहानी के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'यह 1985 के उस मामले से प्रेरित है जिसमें अहमद खान ने शाह बानो को तलाक दिया था। यह एक ऐतिहासिक मामला था। उस समय, कोई नहीं जानता था कि शाह बानो कई महिलाओं और आने वाली पीढ़ियों के लिए लड़ रही थीं। इस फिल्म में, हमने इस मामले को निष्पक्ष तरीके से दिखाया है।'

मेरा बेटा पूजा और नमाज दोनों करता है: आगे बातचीत में इमरान हाशमी से हिंदू-मुस्लिम में तनाव को लेकर सवाल किया गया। इसके जवाब में अभिनेता ने कहा, एक लिबरल मुस्लिम होने के नाते, मुझे इस फिल्म के दृष्टिकोण से कोई समस्या नहीं है क्योंकि हम किसी समुदाय को बदनाम नहीं कर रहे हैं। आगे उन्होंने कहा, मैंने परवीन से शादी की है, जो एक हिंदू हैं। मेरा बेटा पूजा और नमाज दोनों करता है। मेरी मां ईसाई हैं। मेरी परवरिश धर्मनिरपेक्षता में हुई है, इसलिए मैं इस फिल्म को उसी नजरिए से देख रहा हूं। अब लोगों की क्या प्रतिक्रिया होगी, इसके बारे में मैं नहीं सोच रहा।

एक्ट्रेस तान्या राजकुमार राव संग मिलकर खोलेंगी

शिक्षा व्यवस्था की पोल

भारत की नई पीढ़ी के कलाकारों में तेजी से पहचान बना रही अभिनेत्री तान्या मानिकतला अब जल्द ही अभिनेता राजकुमार राव के साथ एक नई फिल्म में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म निर्देशक आदित्य निंबालकर के निर्देशन में बन रही है। इस फिल्म में तान्या युवा भारतीयों की आवाज बनेंगी। उनका किरदार फिल्म की कहानी के लिए बेहद अहम होगा। फिल्म की कहानी भारत की शिक्षा व्यवस्था की सच्चाइयों पर आधारित है। फिल्म उस दुनिया को सामने लाने की कोशिश करती है जिसे अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। वह दुनिया, जहां छात्र और शिक्षक, दोनों ही एक कठिन और प्रतिस्पर्धी सिस्टम के दबाव में जीते हैं। यह कहानी न केवल सामाजिक रूप से प्रासंगिक है, बल्कि हर उस परिवार से जुड़ती है जो बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित रहता है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया कि यह प्रोजेक्ट सभी कलाकारों और निर्माताओं के लिए बेहद व्यक्तिगत और भावनात्मक है। निर्देशक आदित्य ने इस विषय को बड़ी गहराई और संवेदनशीलता से संभाला है। राजकुमार राव और तान्या मानिकतला का किरदार दर्शकों के दिल को छू लेगा। सूत्र के मुताबिक, तान्या का किरदार इस फिल्म का अहम हिस्सा है, क्योंकि यह उन युवा भारतीयों की आवाज है जो आज के दौर में शिक्षा, करियर और समाज की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। निर्देशन के साथ-साथ फिल्म का लेखन भी आदित्य निंबालकर ने किया है। कहानी में भारत के शिक्षा जगत की उन गहराइयों को दिखाया गया है, जहां छात्रों पर पढ़ाई और परीक्षा का भारी दबाव होता है, वहीं शिक्षकों को भी सिस्टम की सीमाओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म शिक्षा व्यवस्था के भावनात्मक, मानसिक और सामाजिक पहलुओं पर रोशनी डालती है। यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक ऐसा आईना है जो समाज को अपने भीतर झांकने पर मजबूर करेगा।

थामा में अपने किरदार को लेकर बोलीं रश्मिका मंदाना

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म थामा की सफलता का लुत्फ उठा रही है। इस फिल्म में उन्होंने वैंपायर का किरदार निभाया। बात करते हुए उन्होंने फिल्म में काम के अनुभव को साझा किया और बताया कि उनके लिए यह किरदार कितना चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने कहा कि थामा का अनुभव उनके लिए रचनात्मक रूप से बहुत रोमांचक था। वैंपायर का किरदार उनके लिए पूरी तरह से नया है, क्योंकि अब तक उन्होंने अपने करियर में ऐसा कोई किरदार नहीं निभाया था। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह अनुभव बिल्कुल नया था। मुझे नहीं पता था कि वैंपायर या बेताल जैसे प्राणी का किरदार कैसे निभाया जाता है। यह भूमिका मेरे लिए काफी चुनौतीपूर्ण और जटिल थी। उन्होंने इस अनुभव को दिलचस्प करार देते हुए कहा, इस तरह के किरदारों के साथ काम मेरे लिए हमेशा नई चीजें सीखने जैसा होता है। सामान्य किरदार निभाना भी एक तरह का आनंद देता है, लेकिन जब कोई बिल्कुल अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार मिलता है, तो यह अनुभव एक अलग ही तरह का उत्साह देता है। अभिनेत्री ने कहा, मुझे इस किरदार में खुद को बदलने की पूरी प्रक्रिया बेहद आकर्षक लगी। जब कोई कलाकार किसी सामान्य किरदार में काम करता है, तो उसका आनंद अलग होता है, लेकिन किसी अलग प्राणी का किरदार निभाना उसे एक नए तरह का उत्साह और खुशी देता है। रश्मिका ने अपने प्रोड्यूसर अमर कौशिक और निर्देशक आदित्य सरपोतदार का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, इस नए और चुनौतीपूर्ण किरदार को निभाने में उनका मार्गदर्शन और समर्थन बहुत महत्वपूर्ण रहा। रश्मिका ने खुलासा किया कि उन्होंने इस किरदार को निभाने के लिए बिल्कुल जीरो से शुरुआत की।

टीचर बनना चाहती थी मलायका

आज हम आपको बॉलीवुड की बहुत ही टैलेंटेड और खूबसूरत अदाकारा से मिलवा रहे हैं. बॉलीवुड के पॉपुलर आइटम सॉन्ग्स से तहलका मचाने वाली इस हसीना की दीवानगी आज भी उतनी ही है जितनी सालों पहले हुआ करती थी. जी ये हसीन अदाकारा कोई और नहीं, बल्कि शाहरुख खान के साथ 'छैंया-छैंया' गाने से लोगों का दिल जीतने वाली मलाइका अरोड़ा हैं, जिनकी अदाओं पर आज भी लोग जान छिड़कते हैं. आज मलाइका किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं. अपने बेहतरीन डांस से वो सबको अपना दीवाना बना लेती हैं. लेकिन यहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी मेहनत की है. मुंबई में जन्मीं मलाइका अरोड़ा की मां जॉयस पॉलीकार्प मलयाली फैमिली से आती हैं और पिता पंजाबी हिंदू परिवार से थे. एक्ट्रेस को अपने शुरूआती दिनों में काफी मुश्किलों से गुजरना पड़ा था. एक बार एक्ट्रेस ने खुद बताया था कि वह कभी इतने छोटे घर में रहती थीं कि उसकी तुलना माचिस की डिब्बी से कर सकते हैं. इस दौरान एक्ट्रेस ने बताया था कि बचपन में बहुत कुछ झेलना पड़ा. हालांकि, आज एक्ट्रेस के पास हर तरह की सुविधाएं हैं. करियर की बात करें तो मलाइका कभी फिल्मों में नहीं आना चाहती थीं, वो हमेशा से एक टीचर बनना चाहती थीं. लेकिन डांस ने उनका जीवन बदल दिया और वो इंडस्ट्री की सबसे मशहूर आइटम गर्ल बन गई.

तमन्ना भाटिया ने फिल्म बाहुबली की बात

हाल ही में तमन्ना भाटिया ने फिल्म बाहुबली के बारे में कई बातें बताई हैं। उनके मुताबिक फिल्म में काम करने के बाद उनमें कई बदलाव आए हैं। तमन्ना भाटिया इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने कई बेहतरीन फिल्में की हैं, लेकिन उनके डांस नंबर आज भी दर्शकों को दीवाना बनाते हैं। उन्होंने दो दशक पहले हिंदी फिल्म चांद सा रोशन चेहरा से अभिनय में कदम रखा था, लेकिन उन्हें सबसे बड़ा ब्रेक तब मिला जब उन्होंने प्रभास के साथ बाहुबली~ द बिगिनिंग में काम किया। इसके बाद, उन्होंने बाहुबली 2~ द कन्क्लूजन से पर्दे पर वापसी की और तब से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

तमन्ना भाटिया में आया बदलाव

फिल्मफेयर के साथ बातचीत में, तमन्ना भाटिया ने बताया कि कैसे बाहुबली फ्रैंचाइजी ने उन्हें बदल दिया। उन्होंने कहा बाहुबली एक ऐसी फिल्म थी जिससे मैंने सबसे ज्यादा सीखा। हम एक हरे रंग की स्क्रीन के सामने शूटिंग कर रहे थे, इसलिए हमें बहुत सी चीजों की कल्पना करनी पड़ी। मैंने वीएफएक्स के बारे में सीखा। किसी फिल्म को बेहतर बनाने के लिए इसका इस्तेमाल कैसे किया जाता है यह भी सीखा। इसने मुझे प्रयोग करने का और भी आत्मविश्वास दिया। उसके बाद से, मैंने लोगों की राय को गंभीरता से लेना बंद कर दिया। मैं अपने अंतर्मन पर ज्यादा भरोसा करने लगी।

4000 करोड़ी फिल्म रामायण के लिए फ्री में काम कर रहे विवेक ओबेरॉय

बॉलीवुड एक्टर विवेक ओबेरॉय की जबरदस्त एक्टिंग के फैंस दीवाने रहते हैं. हालांकि, उनका फिल्म करियर कुछ खास नहीं रहा है. विवेक ओबेरॉय फिल्मों में कम ही नजर आते हैं और रियल स्टेट का बिजनेस कर रहे हैं. फिलहाल, उनकी पाइपलाइन में अभी कुछ फिल्में हैं, जिसमें डायरेक्टर नितेश तिवारी की 4000 करोड़ी मूवी रामायण है. इस फिल्म में विवेक ओबेरॉय विभीषण का किरदार निभाते नजर आएंगे. फिल्म रामायण में उनकी फीस को लेकर जानकारी सामने आई है. आइए जानते हैं कि इस फिल्म के लिए उन्होंने कितनी फीस ली है. विवेक ओबेरॉय ने बात करते हुए कहा कि उन्होंने फिल्म रामायण के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा से कहा था कि वह फिल्म के लिए एक भी पैसा नहीं लेना चाहते हैं. वह अपनी पूरी फीस कैंसर से पीड़िता बच्चों की मदद के लिए दान करना चाहते हैं. विवेक ओबेरॉय ने कहा, मैंने उनसे कहा कि मैं आपका सपोर्ट करना चाहता हूं कि क्योंकि ये काम मुझे पसंद है. मुझे लगता है कि ये इंडियन सिनेमा को ग्लोबल स्टेज पर ले जाएगा. हॉलीवुड महाकाव्यों के लिए भारत की तरफ रामायण जवाब होगा. ये उस कंपनी से जुड़ी है, जिसने 7-8 ऑस्कर जीते हैं और भी शानदार काम किए हैं. वास्तव में रामायण से बड़ा और बेहतर कुछ और नहीं हो सकता है. इसे ग्लोबल फील्ड में ले जाना काफी एक्साइटिंग है.

फिल्म रामायण की स्टारकास्ट

फिल्म रामायण में रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश, विवेक ओबेरॉय, रवि दुबे, सनी देओल, लारा दत्ता, रकुल प्रीत सिंह, अरुण गोविल, काजल अग्रवाल, इंदिरा कृष्णन, कुणाल कपूर, शीबा चड्ढा जैसे तमाम सितारे नजर आएंगे. फिल्म भगवान राम का किरदार रणबीर कपूर, माता सीता किरदार साई पल्लवी और रावण का किरदार यश निभाएंगे.

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।